हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - CTHIN/25/A0716

मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 02 | अंक - 06 | बेमेतरा, शनिवार 23 अगस्त 2025 | रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित | कुल पेज - 08 | मूल्य - 5 रूपये

पहला कॉलम

गाजियाबाद में मंदबुद्धि युवती के साथ दुष्कर्म

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली से सटे गाजियाबाद में दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है. मानसिक रूप से अस्वस्थ युवती की संदिग्ध मौत हो गई है. युवती का शव फंदे पर लटका मिला है. दो दिन पहले युवती के साथ सामूहिक दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया था. इस घटना के बाद से युवती काफी तनाव में थी. फिलहाल पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. लोनी थाना क्षेत्र के रहने वाले एक व्यक्ति ने अज्ञात लोगों के खिलाफ मानसिक रूप से कमजोर युवती को अगवा कर दुष्कर्म करने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी. परिजनों के मुताबिक पीड़िता मानसिक रूप से बेहद कमजोर थी और ठीक से बोलने और सुनने में भी सक्षम नहीं थी. युवती को दिल्ली के अस्पताल में इलाज चल रहा था. परिजनों का कहना है कि पीड़िता ने इशारों में बताया था कि उसके साथ गलत काम किया गया है.

शादी से इनकार पर शादीशुदा प्रेमी ने की प्रेमिका की हत्या

हासन। कर्नाटक के हासन जिले में एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है, जहाँ एक शादीशुदा प्रेमी ने अपनी प्रेमिका की केवल इसलिए हत्या कर दी क्योंकि उसने शादी के प्रस्ताव को ठुकरा दिया था। आरोपी ने इस जघन्य अपराध को एक सड़क हादसे का रूप देने की भी कोशिश की, लेकिन पुलिस की मुस्तैदी ने उसकी साजिश को नाकाम कर दिया। घटना बेलूर तालुक के चंदनहल्ली इलाके की है। पुलिस के अनुसार, 32 वर्षीय श्वेता, जो अपने पति से अलग होकर माता-पिता के साथ रह रही थी, की हत्या उसके प्रेमी रवि ने की। दोनों की जान-पहचान कई सालों से थी और वे हासन में एक साथ काम करते थे। रवि पहले से शादीशुदा था, लेकिन इसके बावजूद वह लगातार श्वेता पर शादी के लिए दबाव बना रहा था। उसने श्वेता से वादा किया था कि वह अपनी पत्नी को तलाक देकर उसके साथ नई जिंदगी शुरू करेगा, लेकिन श्वेता ने इस रिश्ते को आगे बढ़ाने से साफ इनकार कर दिया। श्वेता का इनकार रवि को इस कदर नागवार गुजरा कि उसने उसकी जान लेने की ठान ली।

वैष्णो देवी जा रहे श्रद्धालुओं की बस पुल से गिरी

सांबा। जम्मू-कश्मीर के सांबा जिले में तड़के एक दर्दनाक बस हादसा हुआ, जिसमें एक श्रद्धालु की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि करीब 40 यात्री घायल हो गए। ये सभी यात्री उत्तर प्रदेश के अमरोहा जिले से माता वैष्णो देवी के दर्शन के लिए कटरा जा रहे थे। जानकारी सामने आई कि यह हादसा उस समय हुआ जब यात्रियों से भरी बस कठुआ से कटरा की ओर जा रही थी। जिला सांबा के जतवाल क्षेत्र में अचानक बस का टायर फट गया, जिससे बस अनियंत्रित होकर लगभग 30 फीट ऊंचे पुल से नीचे गिर गई। हादसे के बाद स्थानीय लोग और राहगीर तुरंत मदद के लिए आगे आए और बचाव कार्य शुरू किया। सभी घायलों को जिला अस्पताल सांबा पहुंचाया गया, जहां उनका प्राथमिक उपचार किया गया।

तृणमूल कांग्रेस पर पीएम मोदी का करारा हमला

केंद्र का पैसा जनता तक नहीं.. टीएमसी के पास जा रहा-मोदी

कोलकाता/ एजेंसी

पीएम नरेंद्र मोदी ने कोलकाता में विभिन्न मेट्रो रेलवे परियोजनाओं का उद्घाटन किया। पीएम मोदी ने जेसोर रोड मेट्रो स्टेशन से नोआपाड़ा-जय हिंद विमानबंदर मेट्रो सेवा और सियालदह-एस्प्लेनेड मेट्रो सेवा और बेलेघाटा-हेमंत मुखोपाध्याय मेट्रो सेवा को हरी झंडी दिखाई। इसके साथ ही मोदी ने मेट्रो की सवारी की और मेट्रो परियोजनाओं में शामिल स्कूली छात्रों और निर्माण श्रमिकों से बातचीत की। इस दौरान मोदी ने कहा कि आज एक बार फिर मुझे पश्चिम बंगाल में विकास को गति देने का अवसर मिला... सभी खुश हैं कि कोलकाता के सार्वजनिक परिवहन में प्रगति हुई है... मैं इन विकास परियोजनाओं के लिए कोलकाता के लोगों को बधाई देता हूं। वहीं, कोलकाता में एक जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि मैं ऐसे समय में आया हूँ जब दुर्गा पूजा की तैयारियाँ शुरू हो चुकी हैं। बड़ा बाजार से लेकर पार्क स्ट्रीट तक, कोलकाता इस उत्सव की तैयारी और सजावट में व्यस्त है। खुशी और आस्था के इस उत्सव में जब विकास का उत्सव भी जुड़ जाता है, तो खुशी दोगुनी हो जाती है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल आबादी के लिहाज से देश के सबसे बड़े राज्यों में से एक है। इसलिए जब तक पश्चिम बंगाल का सामर्थ्य नहीं बढ़ेगा, तब तक विकसित भारत की यात्रा सफल नहीं हो पाएगी। क्योंकि भाजपा मानती है, भाजपा की श्रद्धा है - जब बंगाल का उदय होगा, तभी विकसित भारत बनेगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि बीते 11 वर्षों में केंद्र की बीजेपी सरकार ने पश्चिम बंगाल के विकास के लिए लगातार हर प्रकार की मदद दी है। बंगाल में नेशनल हाईवे के निर्माण के लिए जितना पैसा कांग्रेस की यूपीए सरकार ने अपने 10 साल में दिया था। उससे 3 गुना से ज्यादा पैसा हमारी भारत सरकार ने बंगाल को दिया है। रेलवे के लिए भी बंगाल का बजट पहले की तुलना में तीन गुना बढ़ाया गया है। लेकिन, बंगाल में विकास कार्यों के सामने एक बहुत बड़ी चुनौती है। चुनौती ये कि बंगाल के लिए जो पैसा हम राज्य सरकार को सीधे भेजते हैं...उसका ज्यादातर हिस्सा यहां लूट लिया जाता है। वो पैसा टीएमसी काडर पर खर्च होता है।

भाजपा जो संकल्प लेती है वह सिद्ध करके दिखाती है

अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, 'भाजपा जो संकल्प लेती है वह सिद्ध करके दिखाती है। इसका ताजा प्रमाण हमने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान देखा है।' पीएम मोदी ने आगे कहा, 'इस बार लाल किले से मैंने घुसपैठ के बढ़ते खतरे पर चिंता व्यक्त की। पश्चिम बंगाल, कोलकाता के लोग समय से आगे की सोचते हैं इसलिए आपके बीच मैं लगातार इस राष्ट्रीय चुनौती पर चर्चा करता रहा हूं। आजकल आप देखते हैं जिन देशों को विकसित कहा जाता वहां घुसपैठियों के खिलाफमुहीम चल रही है, ये देश अब घुसपैठियों को ज्यादा नहीं झेल सकता।'

कोलकाता भारत के इतिहास और भविष्य की समृद्ध पहचान

अपने संबोधन के शुरुआत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, 'कोलकाता जैसे हमारे शहर भारत के इतिहास और हमारे भविष्य दोनों की समृद्ध पहचान है। आज जब भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर बढ़ रहा है तब दमदम, कोलकाता इन शहरों की भूमिका बहुत बड़ी है... ये आयोजन इस बात का प्रमाण है कि आज का भारत अपने शहरों का कैसे कायाकल्प कर रहा है उन्होंने मेट्रो सेवा को लेकर कहा कि 2014 से पहले देश में सिर्फ250 किलोमीटर मेट्रो रूट था।

ऑनलाइन गेमिंग बिल को मिली राष्ट्रपति की मंजूरी

बना कानून,जेल और एक करोड़ जुर्माने का होगा प्रावधान

नई दिल्ली/ एजेंसी

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को ऑनलाइन गेमिंग के संवर्धन और विनियमन विधेयक को मंजूरी दे दी, जिसे एक दिन पहले राज्यसभा ने पारित किया था। यह कानून सभी ऑनलाइन मनी गेमिंग सेवाओं पर प्रतिबंध लगाता है और सुविधा प्रदान करने वालों के लिए तीन साल तक की कैद और 1 करोड़ रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान करता है। ऐसे प्लेटफॉर्म का विज्ञापन करने पर दो साल तक की सजा और 50 लाख रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान है। उच्च सदन ने ऑनलाइन गेमिंग संवर्धन एवं विनियमन विधेयक, 2025 को 26 मिनट में पारित कर दिया। इससे एक दिन पहले लोकसभा ने प्रक्रियागत चिंताओं को लेकर विपक्ष के विरोध के बीच इसे सात मिनट में पारित कर दिया था। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने संसद में सांसदों को बताया कि लोग ऑनलाइन मनी गेमिंग में अपनी जीवन भर की जमा-पूंजी गँवा रहे हैं। वैष्णव ने राज्यसभा में कहा कि समय-समय पर समाज सामाजिक बुराइयों से जूझता है। ऐसे में सरकार और संसद का यह कर्तव्य है कि वे इनकी जाँच करें और इन्हें नियंत्रित करने के लिए कानून बनाएँ। मंत्री ने कहा, ''जब समाज और सरकार के राजस्व के बारे में चिंता करनी होती है । तो इन दोनों के बीच में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हमेशा मध्यम वर्गीय परिवार (के कल्याण) को ही चुना है, हमेशा समाज के फायदे को ही चुना है, कभी इससे समझौता नहीं किया है। और इस विधेयक में भी समाज के कल्याण को प्राथमिकता दी गई है। उन्होंने ऑनलाइन गेमिंग का हवाला देते हुए कहा, ''समाज में जो एक बहुत बड़ी बुराई आ रही है ।

राजनाथ ने असीम मुनीर पर कसा तंज

पाक सेनाध्यक्ष ने मानी सच्चाई,भारत मर्सिडीज पाकिस्तान डंपर है.....

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को पाकिस्तान पर निशाना साधते हुए कहा कि दोनों देशों को एक ही समय पर आजादी मिली। एक देश ने मेहनत, सही नीतियों और दूरदर्शिता से फरारी जैसी अर्थव्यवस्था बनाई, जबकि दूसरा देश अब भी मलबे के डंपर जैसा है। राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर के बयान का हवाला देते हुए यह बात कही। राजनाथ सिंह ने कहा, मैं आपका ध्यान हाल ही में पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर के दिए एक बयान की ओर दिलाना चाहता हूं। उन्होंने कहा कि भारत एक फरारी जैसी चमचमाती मर्सिडीज है, जो हाइवे पर तेजी से दौड़ रही है और हम एक बजरी से भरा डंप ट्रक हैं। अगर ये ट्रक उस कार से टकरा जाए, तो नुकसान किसका होगा? भारत की अर्थव्यवस्था एक मर्सिडीज और फरारी की तरह हाइवे पर दौड़ रही है। यह मैंने नहीं कहा, उन्होंने खुद कहा। पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था एक मलबे से भरे डंपर जैसी है। अब इसका जवाब आप लोग खुद जानते हैं। केंद्रीय मंत्री आगे कहा, असीम मुनीर को उनके इस बयान के लिए पाकिस्तान और दुनियाभर में भी खूब ट्रोल किया गया। लोगों ने कहा कि जब दो देशों को एक ही समय पर आजादी मिली और एक देश ने मेहनत, सही नीतियों और दूरदर्शिता से फरारी जैसी अर्थव्यवस्था बनाई।

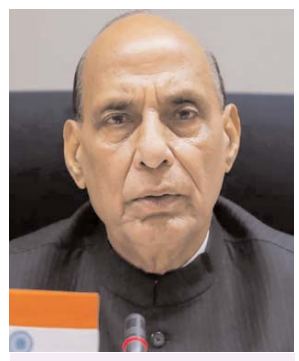

सेमीकंडक्टर्स पर मिशन मोड में काम कर रही सरकार

रक्षा मंत्री ने कहा, भारत की आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) क्षमता को मजबूत करने के लिए सरकार ने 'इंडिया-एआई मिशन' की शुरुआत की है। इसके तहत भारत की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए एआई मॉडल विकसित किए जाएंगे। हमारा लक्ष्य है कि भारत एक वैश्विक एआई केंद्र बने। हमारी सरकार सेमीकंडक्टर्स पर मिशन मोड में काम कर रही है। जैसा कि प्रधानमंत्री ने अपने स्वतंत्रता दिवस भाषण में कहा, इस साल के अंत तक भारत के लोगों के द्वारा बनाए गए।

किनारे खड़े ट्रक के पीछे जा टकराई स्कूटी, दो युवकों की हुई मौत

जांजगीर। जांजगीर-चांपा जिले में सड़क हादसों का दौर जारी हैं। ग्राम कुटरा नवा तालाब के पास सड़क के किनारे खड़े ट्रक से तेज रफ्तार स्कूटी पीछे जा टकराई। हादसे में दो युवकों की मौत हुई है। घटना पामगढ़ थाना क्षेत्र की है। हादसे के बाद ग्रामीणों में आक्रोश देखने को मिला। ट्रक की चक्को की हवा निकाल दी गई है। मिली जानकारी अनुसार, 18 वर्षीय सुमित कश्यप जोकि अपने मामा के गांव कुटरा में ही रहता था। वह अपने दोस्त 19 वर्षीय प्रहलाद कश्यप के मिलकर गुरुवार की रात 10 से 10.30 बजे के बीच स्कूटी से जा रहा था। गणेश

सड़कों पर आवारा कुत्तों को खाना खिलाने की अनुमति नहीं होगी

नसबंदी के बाद कुत्तों को छोड़ दें,आक्रामक कुत्तों को शेल्टर होम में ही रखा जाए-सुप्रीम

नई दिल्ली/ एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को दिल्ली-एनसीआर के डॉग शेल्टर्स से आवारा कुत्तों को छोड़ने पर रोक लगाने वाले अपने 11 अगस्त के निर्देश में संशोधन कर दिया। कोर्ट ने कहा कि पकड़े गए कुत्तों को नसबंदी और टीकाकरण के बाद उसी जगह पर छोड़ दिया जाए, जहां से उन्हें उठाया गया था। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ की अध्यक्षता वाली तीन न्यायाधीशों की विशेष पीठ ने साफ किया कि कुत्तों को छोड़े जाने वाला आदेश रेबीज से संक्रमित या रेबीज से संक्रमित होने की आशंका वाले या फिर आक्रामक व्यवहार वाले कुत्तों पर लागू नहीं होगा। न्यायमूर्ति संदीप मेहता और न्यायमूर्ति एन वी अंजारैया की पीठ ने कहा कि डॉग शेल्टर्स से आवारा कुत्तों को छोड़ने पर रोक लगाने वाले 11 अगस्त के निर्देश को फिलहाल स्थगित रखा जाएगा। पीठ ने नगर निगम अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे ऐसे विशेष भोजन क्षेत्र बनाएं,

जहां लोग आवारा कुत्तों को खाना खिला सकें। पीठ ने कहा कि नगर निकायों की ओर से विशेष नगरपालिका वार्ड में आवारा कुत्तों की आबादी और सघनता को ध्यान में रखते हुए भोजन क्षेत्र बनाए जाएंगे। पीठ ने साफ किया कि सड़कों पर आवारा कुत्तों को खाना खिलाने की अनुमति नहीं होगी। पीठ ने कहा कि निर्धारित भोजन क्षेत्रों के पास नोटिस बोर्ड लगाए जाएंगे, जिनमें साफ लिखा होगा कि आवारा कुत्तों को केवल उन्हीं क्षेत्रों में खाना खिलाया जाएगा। पीठ ने कहा कि सड़कों पर आवारा कुत्तों को खाना खिलाते पाए जाने वाले लोगों के खिलाफ संबंधित कानूनी ढांचे के तहत कार्रवाई की जाएगी।

पशु प्रेमियों ने सुप्रीम कोर्ट के हालिया आदेश के खिलाफ नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन किया, जिसमें दिल्ली-एनसीआर के अधिकारियों को सड़कों से सभी आवारा कुत्तों को आश्रय स्थलों में स्थानांतरित करने का निर्देश दिया गया था।

सरकारी धन के दुरुपयोग का आरोप

श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति विक्रमसिंघे गिरफ्तार.....

कोलंबो। श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे को शुक्रवार को सरकारी धन के कथित दुरुपयोग के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने बताया कि 76 वर्षीय विक्रमसिंघे पर सितंबर 2023 में अपनी पत्नी मैत्री के दीक्षांत समारोह में शामिल होने के लिए इंग्लैंड की यात्रा करने हेतु सरकारी धन का उपयोग करने का आरोप है। पुलिस ने पहले उनके कर्मचारियों से यात्रा खर्च के बारे में पूछताछ की थी। पुलिस ने बताया कि श्रीलंका के पूर्व

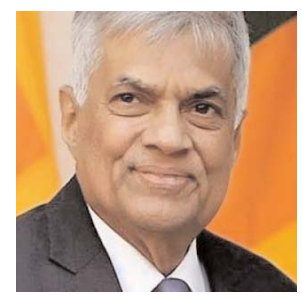

राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे को शुक्रवार को सरकारी धन के कथित दुरुपयोग के आरोप में गिरफ्तार किया गया।

सुप्रीम कोर्ट का चुनाव आयोग को बड़ा आदेश

बिहार एसआईआर में आधार कार्ड या 11 अन्य दस्तावेज मान्य

नई दिल्ली/ एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को चुनावी राज्य बिहार में चलाए जा रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान में बदलाव करने से इनकार कर दिया, लेकिन भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) को निर्देश दिया कि वह सूची से बाहर किए गए मतदाताओं को ऑनलाइन माध्यम से दावे दाखिल करने की अनुमति दे, साथ ही भौतिक रूप से भी दावा पेश करने की अनुमति दे। अदालत ने निर्वाचन आयोग को मतदाताओं को मतदाता सूची में शामिल कराने के लिए 11 दस्तावेज़ों या आधार कार्ड को स्वीकार करने का निर्देश दिया। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की दो सदस्यीय पीठ ने राजनीतिक दलों को उन 65 लाख लोगों की मदद करने का भी निर्देश दिया, जिन्हें मसौदा मतदाता सूची से बाहर रखा गया है। अदालत ने कहा, सभी राजनीतिक दल अगली सुनवाई तक उस दावा प्रपत्र पर स्थिति रिपोर्ट दाखिल करें, जिसे उन्होंने बहिष्कृत मतदाताओं द्वारा दाखिल करने में मदद की थी। मामले की अगली सुनवाई 8 सितंबर को होगी। हालांकि, शीर्ष अदालत ने इस बात पर आश्चर्य व्यक्त किया कि केवल दो आपत्तियाँ उठाई गईं, जबकि राजनीतिक दलों के 1.60 लाख से अधिक बूथ-स्तरीय एजेंट (बीएलए) हैं। सुनवाई के दौरान,

चुनाव आयोग ने सर्वोच्च न्यायालय से अनुरोध किया कि उसे यह साबित करने के लिए 15 दिन का समय दिया जाए कि कोई भी मतदाता सूची से बाहर नहीं है। आयोग ने अदालत को यह भी बताया कि 85,000 बहिष्कृत मतदाताओं ने अपने दावा पत्र जमा कर दिए हैं, जबकि दो लाख से ज़्यादा नए मतदाता मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराने के लिए आगे आए हैं। चुनाव आयोग की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश द्विवेदी ने अदालत से कहा, राजनीतिक दल शोर मचा रहे हैं और हालात इतने खराब नहीं हैं। हम पर विश्वास रखें और हमें कुछ और समय दें। हम आपको दिखा देंगे कि कोई भी मतदाता सूची से बाहर नहीं है। बिहार में जहाँ इस साल के अंत में चुनाव होने हैं, चुनाव आयोग द्वारा एसआईआर अभियान चलाने के फैसले से भारी राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। एसआईआर के अनुसार, बिहार में पंजीकृत मतदाताओं की कुल संख्या इस अभियान से पहले के 7.24 करोड़ से घटकर 7.9 करोड़ रह गई है।

पशुधन के प्रति कृतज्ञता के साथ ही सामाजिक, सांस्कृतिक और पर्यावरणीय दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है पोला त्यौहार

बेमेतरा/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़, जिसे ÷धान का कटोरा÷ के रूप में जाना जाता है, एक कृषि प्रधान राज्य है, जहां की संस्कृति और परंपराएं गहरे रूप से खेती-किसानी और प्रकृति से जुड़ी हुई हैं। यहां के त्यौहार और पर्व न केवल सामाजिक और सांस्कृतिक समृद्धि को दर्शाते हैं, बल्कि किसानों और उनके पशुधन के प्रति सम्मान और कृतज्ञता को भी व्यक्त करते हैं। इनमें से एक प्रमुख और लोकप्रिय पर्व है पोला, जो छत्तीसगढ़ के ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में बड़े उत्साह और हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। यह पर्व विशेष रूप से किसानों और उनके बैलों के प्रति समर्पित है, जो खेती-किसानी में उनकी सबसे महत्वपूर्ण सहायता करते हैं। पोला छत्तीसगढ़ का एक पारंपरिक और सांस्कृतिक पर्व है, जो भाद्रपद मास की अमावस्या को मनाया जाता है। यह पर्व मुख्य रूप से कृषि और पशुधन, विशेषकर बैलों की पूजा से जुड़ा है। छत्तीसगढ़ के अलावा, यह पर्व महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, तेलंगाना, और कर्नाटक जैसे राज्यों में भी विभिन्न रूपों में मनाया जाता है। यह त्यौहार किसानों के लिए विशेष महत्व रखता है, क्योंकि यह उनकी मेहनत और पशुधन के योगदान को सम्मान देने का अवसर प्रदान करता है। पोला पर्व का मूल उद्देश्य खेती-किसानी में बैलों के योगदान को मान्यता देना और उनकी पूजा करना है। यह छत्तीसगढ़ की सनातन परंपराओं और कृषि संस्कृति से गहराई से जुड़ा हुआ है। बैल, जो खेती-किसानी में किसानों के सबसे बड़े सहायक हैं, इस दिन विशेष सम्मान के पात्र बनते हैं। यह पर्व मानसून के समापन और खरीफ फसल की बोआई के बाद मनाया जाता है, जो किसानों के लिए एक महत्वपूर्ण समय होता है।पोला पर्व की तैयारियां कई दिन पहले से शुरू हो जाती हैं। पोला पर्व के दिन, सुबह से ही उत्साह का माहौल होता है।किसान अपने बैलों को नदी या तालाब में ले जाकर स्नान कराते हैं। इसके बाद बैलों को रंगों, कपड़ों, घुंघरू, घंटियों, और कौड़ियों से सजाया जाता है। उनके सींगों पर पॉलिश और रंग लगाए जाते हैं, और गले में आभूषण पहनाए जाते हैं। बैलों को विशेष भोजन, जैसे गुड़ और चावल का मिश्रण, खिलाया जाता है। जिनके पास बैल नहीं होते, वे मिट्टी या लकड़ी से बने बैलों की पूजा करते हैं। पूजा में चंदन का टीका, धूप, अगरबत्ती, और माला का उपयोग किया जाता है। घरों में महिलाएं पारंपरिक छत्तीसगढ़ी पकवान बनाती हैं, जैसे चीला, गुड़हा, अनरसा, सोहरी, चौसला, ठेठरी, खुरमी, बरा, मुरकु, भजिया, तसमई आदि। ये व्यंजन चावल, गुड़, तिल, और अन्य स्थानीय सामग्रियों से तैयार किए जाते हैं, जो छत्तीसगढ़ की पारम्परिक खाद्य संस्कृति को दर्शाते हैं। बच्चों के लिए यह पर्व विशेष रूप से रोमांचक होता है। वे मिट्टी या लकड़ी से बने खिलौनों, जैसे बैल और रसोई के बर्तनों के साथ खेलते हैं। कुछ क्षेत्रों में इस दिन बैल दौड़ प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं, जो पर्व के उत्साह को और बढ़ाती हैं।पोला पर्व का महत्व केवल धार्मिक या कृषि तक सीमित नहीं है; यह सामाजिक, सांस्कृतिक, और पर्यावरणीय दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण है। बैल खेती-किसानी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उनकी पूजा करके किसान अपनी समृद्धि और प्रगति के लिए आभार व्यक्त करते हैं। यह पर्व छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं को जीवित रखता है। बच्चों को मिट्टी के खिलौनों जैसे खेलों के माध्यम से अपनी संस्कृति और प्रकृति के महत्व का ज्ञान होता है। बैलों और प्रकृति की पूजा के माध्यम से यह पर्व पर्यावरण और पशुधन के संरक्षण का संदेश देता है। यह हमें हमारी जड़ों और प्रकृति के साथ जुड़ाव की याद दिलाता है।

आधुनिक युग में, जहां मशीनों ने खेती-किसानी में बैलों की भूमिका को कुछ हद तक कम कर दिया है, फिर भी पोला पर्व अपनी प्रासंगिकता बनाए रखता है। यह पर्व न केवल सांस्कृतिक धरोहर को संजोता है, बल्कि हमें यह भी सिखाता है कि हमें अपने पर्यावरण और पशुधन का सम्मान करना चाहिए। शहरी क्षेत्रों में भी यह पर्व छोटे स्तर पर मनाया जाता है, जहां लोग मिट्टी के बैलों की पूजा करते हैं और पारंपरिक व्यंजनों का आनंद लेते हैं।

अर्जुन पाण्डेय
सहायक संचालक जनसंपर्क

रांका के किसानों के साथ अन्याय कर रही है भाजपा सरकार – पूर्व विधायक छाबड़ा

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा ने बिजली कटौती से परेशान किसानों द्वारा लोकतांत्रिक तरीके से रांका सब स्टेशन का घेराव करने वाले ग्राम खम्हरिया तिवरैया और रवेली के किसानों के खिलाफ विद्युत विभाग के अधिकारियों द्वारा दर्ज कराए गए अपराधिक मामलों पर किसानों का बचाव करते हुए कहा कि एक लोकतांत्रिक देश में जब सरकार आम जनता की समस्या को समझ नहीं रही हो लोगों के पेट पर जब बात बन आए ऐसे में अगर लोग शांतिपूर्वक अपनी बात रखने के लिए विद्युत कार्यालय का घेराव कर रहे हैं तो गलत क्या है भाजपा सरकार ने किसानों के सामने और कोई विकल्प भी तो नहीं छोड़ा भाजपा सरकार किसानों को बिजली दे नहीं पा रही है भाजपा की यह सरकार छत्तीसगढ़ सर प्लस विद्युत उत्पादन राज्य की बिजली अन्य राज्यों को बांट रही है छत्तीसगढ़ की साय सरकार रिमोट कंट्रोल सरकार बंनकर रह गई है पूरे छत्तीसगढ़ में किसानों का बुरा हाल है विशेष रूप से बेमेतरा जिला जो अल्प वृष्टि वर्षा क्षेत्र रहा है जहां किसान लाखों रुपए लगाकर फसल लगाए हैं और खेतों में दरारें आ रही है ऐसे में राज्य की सरकार और भाजपा के जन् प्रतिनिधि अपनी आंखें मूंद कर सिर्फ जनता को लूटने और वसूली करने में लगे हुए हैं बेमेतरा जिले में ट्रांसफार्मर की जबरदस्त कमी है घंटो घंटो लाइट गोल रहती है बिजली ऑफिस के अधिकारी किसानों का फोन नहीं उठाते विद्युत कार्यालय जाने पर साधारण किसानों से अधिकारी बदतमीजी पूर्वक बात करते हैं बात-बात पर जेल में सडा देने की धमकी देते हैं इतना होने के बावजूद इसके लिए भाजपा के किसी जनप्रतिनिधि ने कोई पहल नहीं कई है जबकि किसान लगातार अपनी बातों को शासन प्रशासन और भाजपा के चुने हुए जनप्रतिनिधियों को बताते आ रहे हैं लेकिन उनके कानों में जू नहीं रेंग रहा है ऐसे में किसान अगर आंदोलन करते हैं तो उन्हें कुचलने के नियत से और भाजपा की सरकार तथा जनप्रतिनिधि अपनी नाकामी छुपाने के लिए भाजपा सरकार हिटलर शाही का नमूना पेश कर रहे है आज जो अधिकारी भाजपा के एजेंट बनकर काम कर रहे हैं उन्हें अच्छी तरह से समझ लेना चाहिए कि सत्ता किसी एक दल का अधिकार नहीं है जनता जब जिसे चाहती है उसे उखाड़ फेकती है ऐसे में समय पलटेगा और आने वाले समय में कांग्रेस सत्ता में आएगी उस समय में इन अधिकारियों को याद किया जाएगा इन्हें यह अच्छी तरह से अपने दिमाग में रख लेना चाहिए कांग्रेस गरीब किसानों के साथ किसी भी प्रकार का अन्याय नहीं होने देगी विशेष कर मेरे विधानसभा क्षेत्र में भले ही आज में पद में नहीं हूं किंतु जनता के लिए मैं पहले भी उपलब्ध रहा हूं और आगे भी रहूंगा।

रीता मंडल ने की जिला प्रशासन को पुस्तकें दान

रायपुर/मूक पत्रिका

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देशानुसार जिले में स्मृति पुस्तकालय योजना का संचालन किया जा रहा है। इसके तहत आज शांति नगर रायपुर स्कूल की शिक्षिका सुश्री रीता मंडल ने जिला प्रशासन को प्रेरक , कॉम्पिटेटिव एक्जाम सहित अन्य पुस्तकें दान की। कलेक्टर डॉ गौरव सिंह ने यह पुस्तकें ग्रहण की तथा दानदाता को सम्मान पत्र प्रदान कर उनके योगदान की सराहना की। बताते चलें कि जिले में 15 जुलाई से प्रारंभ इस योजना के तहत दानदाताओं द्वारा 1800 से अधिक पुस्तकें दान में दी जा चुकी है। ये पुस्तकें जरूरतमंद के भविष्य निर्माण में लाभकारी साबित होगी। जिला प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि वे आगे आकर पुस्तक दान करें और ज्ञान के इस अभियान में सहभागी बनें। स्मृति पुस्तकालय योजना से विद्यार्थियों को ज्ञान का नया संबल मिलेगा। पुस्तकें दान करने के लिये लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन अभियंता प्रभात सक्सेना , रोजगार अधिकारी केदार पटेल से मोबाइल नंबर 9406049000 पर संपर्क किया जा सकता है। इस अवसर पर निगम आयुक्त विश्वदीप , अपर कलेक्टर सुश्री नम्रता जैन , जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी कुमार बिश्वरंजन सहित अन्य अधिकारी - कर्मचारी उपस्थित थे।

चिरमिरी में आईटीआई एवं पॉलीटेक्निक विद्यार्थियों ने 'लैंगिक उत्पीड़न अधिनियम' की बारीकियों को समझा

एमसीबी/मूक पत्रिका

शासकीय पॉलीटेक्निक चिरमिरी, जिला एमसीबी में क्क्स॥ष्ह 2013 (लैंगिक उत्पीड़न अधिनियम) के प्रति जागरूकता हेतु एक विशेष वर्कशॉप/अवेयरनेस सेशन का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बैकुंठपुर के सहयोग से संपन्न हुआ। इस अवसर पर अधिकार मित्र-थाना चिरमिरी से पीएलबी धनसाय, थाना पोंडी से पीएलबी मोहन विश्वकर्मा और थाना झगरखांड से पूर्व पीएलबी शंकर सिंह उपस्थित रहे एवं उन्होंने छात्र-छात्राओं को क्क्स॥ष्ह 2013 से संबंधित सभी महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। शासकीय पॉलीटेक्निक चिरमिरी के छात्र-छात्राओं के साथ आईटीआई की छात्राएँ भी इस कार्यशाला में सम्मिलित हुईं। कार्यक्रम में संस्था के गणेश कुमार साहू, प्रा. विभागाध्यक्ष (सिविल), नमन अग्रवाल और आदर्श मिश्रा भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर वक्ताओं ने छात्र-छात्राओं को कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न की रोकथाम, प्रतिरोध एवं निवारण की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से बताया तथा जागरूक रहने का संदेश दिया।

* युवक आकाश साहू की दर्दनाक मौत के जिम्मेदार लोगो पर हो कार्यवाही- अमरनाथ साहू

डोंगरगांव/मूक पत्रिका

कन्हारपुरी राजनांदगांव निवासी 26 वर्षीय आकाश साहू पिता तुलसी साहू का कन्हारपुरी वार्ड के तिरंगा चौक मे नगर निगम द्वारा बीच सड़क पर खोदे गहरा नाली के गडढा मे मोटरसाइकिल सहित गिर जाने के कारण दो दिन पूर्व दर्दनाक मौत हो गई। जिनका 4 माह पूर्व ही विवाह हुआ था। इस घटना पर जिला साहू संघ के पूर्व महामंत्री अमरनाथ साहू ने दुख व्यक्त करते हुए निगम प्रशासन व ठेकेदार के लापरवाही को समाज के युवक के मौत का जिम्मेदार ठहराया है। इस घटना का जांच कर निर्माण कार्य से जुड़े अधिकारी व ठेकेदार पर कड़ी कार्रवाई की मांग की गई है। साथ ही पीड़ित परिवार को राहत राशि दिन जाने की मांग की गई है।

नगर पालिका कांकेर ने लावारिस मवेशियों के खिलाफबड़ा कदम उठाया

कांकेर/मूक पत्रिका

नगर पालिका कांकेर ने लावारिस मवेशियों के खिलाफ बड़ा कदम उठाया है। शहर में बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं और आम जनता की परेशानियों को देखते हुए, नगर पालिका ने लावारिस मवेशियों को पकड़कर गौठान में भेजने का अभियान शुरू किया है।इस अभियान के तहत, नगर पालिका अध्यक्ष अरुण कौशिक जी स्वयं लावारिस मवेशियों को पकड़कर वाहन में डालकर संजय नगर गौठान में पहुंचा रहे हैं। उनके साथ उत्तम यादव नगर पालिका उपाध्यक्ष वीरू साहू पार्षद ललित गांधी अजय जैन एवं नगर पालिका के कर्मचारी इस अभियान में लगे हुए हैं गौठान मे मवेशियों की रहने और चारे की व्यवस्था की गई है।नगर पालिका का यह अभियान स्वागत योग्य है, क्योंकि लावारिस मवेशियों के कारण शहर में कई दुर्घटनाएं हो रही थीं और लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था।नगर पालिका कांकेर ने मवेशी मालिकों से अपील की है कि वे अपने मवेशियों को खुला न छोड़ें और उनकी जिम्मेदारी लें। इससे शहर की सड़कों पर सुरक्षा और स्वच्छता बनी रहेगी।संजय नगर गौठान में लावारिस मवेशियों के लिए रहने और चारे की व्यवस्था की गई है। नगर पालिका का उद्देश्य है कि लावारिस मवेशियों को सुरक्षित और स्वस्थ रखा जाए।

गणेश चतुर्थी पर प्रशासन सख्त, कानून व्यवस्था को लेकर कलेक्टर-एसपी ने की समीक्षा

भीड़ नियंत्रण, पार्किंग और सुरक्षा पर दिए कड़े निर्देश

सूरजपुर/मूक पत्रिका

कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में शुक्रवार को जिला प्रशासन ने कानून-व्यवस्था और अभियोजन कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में कलेक्टर एस. जयवर्धन और पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार ठाकुर के साथ राजस्व अधिकारी, पुलिस विभाग और सहायक लोक अभियोजन अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में आगामी गणेश चतुर्थी उत्सव को देखते हुए सुरक्षा और यातायात प्रबंधन पर विशेष चर्चा हुई। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में पुख्ता इंतजाम किए जाएं, पार्किंग की उचित व्यवस्था हो और यातायात सुचारू रहे।

चिन्हित स्थानों पर पुलिस बल की तैनाती

निगरानी के लिए पैनी नजर और किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तुरंत कार्रवाई के निर्देश दिए गए। साथ ही, उत्सव के दौरान कानून-व्यवस्था में किसी तरह की चूक न हो, इसके लिए सभी विभागों को अलर्ट रहने को कहा गया।

छत्तीसगढ़ रजत जयंती पर अर्जुनी में सजा 'पुरखा के सुरता' सांस्कृतिक मंच

डोंगरगांव /मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ स्थापना के रजत जयंती वर्ष 2025 के अवसर पर संस्कृति एवं पर्यटन विभाग के मार्गदर्शन और जनपद पंचायत डोंगरगांव के तत्वावधान में ग्राम अर्जुनी में ÷पुरखा के सुरता÷ कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया।इस अवसर पर विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों ने छत्तीसगढ़ी लोकनृत्य, तीज-त्योहार, कला, परंपरा एवं पर्यटन पर आधारित चित्रकला प्रतियोगिता तथा ÷समृद्ध विकसित छत्तीसगढ़÷ विषय पर विचार संगोष्ठी प्रतियोगिता में उत्साहपूर्वक भाग लिया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष दिनेश गांधी ने कहा कि ÷अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में 1 नवंबर 2000 को छत्तीसगढ़ राज्य का गठन हुआ, जिससे प्रदेश को अलग पहचान मिली। उन्होंने छत्तीसगढ़ को 'धान का कटोरा' कहकर इसकी कृषि एवं प्राकृतिक संपदा की सराहना की थी।÷मंच पर जनपद पंचायत अध्यक्ष रंजिता पडोती, प्रतिनिधि कपिलदेव पडोती, सभापति विवेक मंडावी, जनपद सीईओ रोशनी भगत समेत जनपद पंचायत के कर्मचारी, सरपंच, पंच, शिक्षकगण, विद्यार्थी एवं ग्रामीण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

कृष्ण जन्मआष्ट्मी एवं हंडी फोड़ कार्यक्रम मे शामिल हुए विधायक दीपेश साहू

हम सबको भगवान कृष्ण के मार्ग का अनुसरण कर समाजहित और राष्ट्रहित में कार्य करना चाहिए : दीपेश साहू

बेमेतरा/मूक पत्रिका

बीते गुरुवार को बेमेतरा के ऐतिहासिक बेसिक ग्राउंड में यादव ठेठवार समाज बेमेतरा द्वारा श्रीकृष्ण जन्माष्टमी एवं भव्य कलश यात्रा का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बेमेतरा विधायक दीपेश साहू मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए, वहीं कार्यक्रम मे नगर पालिका अध्यक्ष श्री विजय सिन्हा भी उपस्थित रहे। सुबह भव्य कलश यात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से निकलकर बेसिक ग्राउंड पहुँची। यात्रा में सैकड़ों महिलाएँ सिर पर कलश धारण कर पारंपरिक वेशभूषा में शामिल हुईं। शोभायात्रा में बैंड-बाजे, भजन मंडलियों और आकर्षक झांकियों ने सभी का मन मोह लिया। इसके पश्चात मंचीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें समाज के वरिष्ठजन, जनप्रतिनिधि, अधिकारी और बड़ी संख्या में नगरवासी उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित विधायक दीपेश साहू ने समाज को संबोधित करते हुए कहा ङ्कभगवान श्रीकृष्ण का जीवन हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने अन्याय के विरुद्ध खड़े होकर धर्म की स्थापना की और समाज को सत्य, प्रेम और कर्तव्य का संदेश दिया। जन्माष्टमी जैसे पर्व न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक हैं, बल्कि यह हमारी संस्कृति और सामाजिक एकता को भी मजबूत करते हैं। आज की भव्य कलश यात्रा ने यह साबित कर दिया कि जब समाज एकजुट होता है तो हर कार्य संभव है।उन्होंने आगे कहा कि यादव ठेठवार समाज ने सदैव सामाजिक सरोकारों और संस्कृति के संरक्षण में अग्रणी भूमिका निभाई है। ऐसे आयोजन युवाओं को अपनी परंपरा से जोड़ते हैं और समाज को नई ऊर्जा प्रदान करते हैं। विधायक ने उपस्थित सभी लोगों को जन्माष्टमी की हार्दिक शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि ङ्क हम सबको कृष्ण के मार्ग का अनुसरण कर समाजहित और राष्ट्रहित में कार्य करना चाहिए।÷नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा ने संक्षिप्त संबोधन में कहा कि ङ्कभव्य कलश यात्रा और श्रीकृष्ण जन्माष्टमी उत्सव समाज की आस्था और एकता का परिचायक है। नगर पालिका परिवार सदैव ऐसे आयोजनों के साथ खड़ा रहेगा।÷ विजय सिन्हा अध्यक्ष न.पा. बेमेतरा, गुलेन्द्र यादव (प्रदेश अध्यक्ष ठेठवार यादव समाज,परमानंद यदु

नरोत्तम यद अंजोर सिंह यदु राममिंग यादव, जितेन्द्र यदु ,डॉ. वी पी यदु पार्षद निखित साहू, डॉ. धनेश यदु, संतोष यदु सरोज यदु शत्रुहन यदु विद्युरी यदु भागीरथी यदु दीपक यदु, दीनबंधु यदु उदय राम यादव कु. प्रीति जितेन्द्र यदु सरपंच बसनी गौरव यदु सहित समस्त यादव ठेठवार समाज के समाजिकबंधु भाजपा पदाधिकारी कार्यकर्त्ता नगरवासी उपस्थित रहे ।

जिला चिकित्सालय में नई सीटी स्कैन मशीन का हुआ शुभारंभ, स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने किया उद्घाटन

बेमेतरा/मूक पत्रिका

प्रदेश के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल बीते शुक्रवार को जिले के एक दिवसीय प्रवास पर पहुंचे। इस अवसर पर उन्होंने जिला चिकित्सालय का निरीक्षण किया और अस्पताल परिसर में नवीन सीटी स्कैन मशीन का लोकार्पण कर मरीजों को अत्याधुनिक स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया। इस अवसर पर स्थानीय विधायक दिपेश साहू, विधायक साजा ईश्वर साहू, कलेक्टर रणबीर शर्मा, एसएसपी रामकृष्ण साहू, जिला अध्यक्ष अजय साहू, एडीएम अनिल वाजपेयी, जिला सभापति अंजू बघेल, पूर्व विधायक अवधेश चंदेल, नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा, वरिष्ठ जनप्रतिनिधि राजेंद्र शर्मा, एसडीएम प्रकाश भारद्वाज, सीएमएचओ सहित नागरिक गण और संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे । उद्घाटन से पूर्व मंत्री जायसवाल ने भगवान गणेश की प्रतिमा का विधि-विधान से पूजन-अर्चन किया। इसके पश्चात् उन्होंने फीता काटकर तथा दीप प्रज्वलित कर सीटी स्कैन मशीन का औपचारिक शुभारंभ किया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने इस नई सुविधा को जिले के लिए एक ऐतिहासिक पहल बताया। मंत्री जायसवाल ने कहा कि प्रदेश सरकार आमजन को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएँ उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। जिला चिकित्सालय में सीटी स्कैन मशीन की सुविधा से गंभीर बीमारियों की जांच अब जिले में ही संभव होगी और मरीजों को रायपुर या अन्य बड़े शहरों की ओर जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। इससे समय और धन दोनों की बचत होगी तथा लोगों को शीघ्र और सटीक इलाज मिल सकेगा। उन्होंने यह भी बताया कि यह अत्याधुनिक सीटी स्कैन मशीन नवीनतम तकनीक से सुसज्जित है, जिससे हृदय रोग, मस्तिष्क संबंधी बीमारियों, कैंसर, हड्डियों की चोट एवं अन्य जटिल रोगों की सटीक जांच तुरंत की जा सकेगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस सुविधा के शुरू होने से जिले के हजारों मरीजों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा और स्वास्थ्य सेवाओं में गुणवत्ता के साथ-साथ तेजी भी आएगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। जिला अस्पतालों में विशेषज्ञ डॉक्टरों की पदस्थापना, आधुनिक उपकरणों की उपलब्धता और मरीजों की सुविधा हेतु विभिन्न योजनाओं का क्रियान्वयन किया जा रहा है। मंत्री ने अस्पताल प्रबंधन को स्वच्छता, मरीजों की देखभाल एवं समय पर उपचार सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए ।

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने जिला चिकित्सालय का किया निरीक्षण, मरीजों से की मुलाकात-नवीन सीटी स्कैन मशीन के उद्घाटन कार्यक्रम के पश्चात प्रदेश के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने जिला चिकित्सालय का विस्तृत निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अस्पताल के सभी वार्डो का भ्रमण किया और मरीजों से सीधे संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं एवं अस्पताल में उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान मंत्री श्री जायसवाल ने मरीजों से उनके इलाज, भोजन एवं दवाओं की उपलब्धता के संबंध में विस्तार से चर्चा की। उन्होंने मरीजों से पूछा कि उन्हें किस प्रकार की सुविधा मिल रही है और किसी तरह की परेशानी तो नहीं है। मरीजों ने अस्पताल में मिल रही सुविधाओं के प्रति संतोष व्यक्त किया। स्वास्थ्य मंत्री ने अस्पताल प्रबंधन से यह भी जानकारी ली कि चिकित्सालय में आवश्यक दवाइयों की आपूर्ति पर्याप्त मात्रा में है या नहीं। उन्होंने दवा भंडार कक्ष का निरीक्षण कर दवाओं के स्टॉक की स्थिति देखी और कहा कि किसी भी हालत में मरीजों को आवश्यक दवाओं के लिए बाहर भटकना न पड़े। उन्होंने डॉक्टरों एवं स्वास्थ्यकर्मियों को मरीजों के साथ संवेदनशील व्यवहार रखने और समय पर बेहतर उपचार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। साथ ही स्वच्छता व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने के लिए भी कहा। मंत्री ने कहा कि अस्पताल में साफ-सफाई की बेहतर व्यवस्था होना चाहिए ताकि मरीजों और परिजनों को स्वच्छ वातावरण मिले।

जमीन विवाद के चलते बोरिया गांव में हुए हत्या मामले में 05 आरोपी गिरफ्तार

जिला बेमेतरा, थाना बेरला पुलिस टीम की कार्यवाही

बेमेतरा/मूक पत्रिका

प्रार्थीया श्रीमती कुमारी बाई पाल पति विजय कुमार पाल उम्र 60 साल साकिन वार्ड नंबर 05 बोरिया थाना बेरला जिला बेमेतरा ने रिपोर्ट दर्ज कराया कि 20 अगस्त 2025 को निर्मलाबाई पाल के साथ पुन्नीबाई यदु, भुनेश्वरी यदु, मोंगरा यदु, व अन्य द्वारा हाथ मुक्का एवं डण्डा से मारपीट करने एवं तुकेराम यदु द्वारा लोहे के धारदार टंगिया से ताबड़तोड़ सिर एवं चेहरे में प्राणघातक हमला कर गंभीर चोट पहुंचाकर हत्या करने व प्रार्थीया कुमारी बाई पाल व उनके नाती के साथ मारपीट कर चोट पहुंचाने। इस रिपोर्ट पर थाना बेरला में धारा -103(1),351 1-103(1),351 (3), 115(2),191(2), 191 (3) भारतीय न्याय संहिता (ब्न्हस) के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। घटना की सूचना मिलने पर तत्काल वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रामकृष्ण साहू (भा.पु.से.) के निर्देशन एवं अति. पुलिस अधीक्षक श्रीमती ज्योति सिंह के मार्गदर्शन में एसडीओपी बेरला विनय कुमार व थाना बेरला प्रभारी निरीक्षक कृष्णकांत सिंह, थाना स्टाफके साथ पहुचकर घटना स्थल का मुआयना किया। मामले कि गंभीरता को देखते हुए फोरेंसिक एक्सपर्ट की मदद ली गई। हत्या के प्रकरण में विवेचना प्रर्थिया व गवाहों से पुछताछ के दौरान पता चला कि तुकेराम यदु के परिवार वालो के साथ विगत 15-16 वर्षो से जमीन संबंधी मामला तहसील कार्यालय बेरला एवं आयुक्त दुर्ग में चल रहा था कि जमीन संबंधी फैसला इनके पक्ष में आने पर दिनांक 02.06.2025 को तहसील कार्यालय बेरला द्वारा इनके हक की जमीन को तुकेराम यदु के कब्जे से छुड़वाकर इनके काबिज में दिया गया था जो काबिज मिलने के बाद से उसी जमीन में तुकेराम यदु के दादा के द्वारा अवैध रूप से मकान बनाकर रखे थे जिसे तहसीलदार बेरला के उपस्थिति में तुकेराम यदु के मकान को तोड़वा दिया गया था। दिनांक 20.08.2025 को इसकी नाती के स्कूल में पढ़ाई करने के लिये गया था घर में वह, और इसकी लड़की निर्मलाबाई पाल एवं नाती थे। मकान टुटने से इनका मकान खुला हो जाने के कारण इनके द्वारा अपने घर को सुरक्षा की दृष्टि से दिनांक 20.08.2025 को सुबह करीब साढे 10 बजे इसकी लडकी निर्मला बाई पाल के साथ मिलकर दीवाल घेरा करने के लिये मिट्टी गीला करके रखे थे उसी समय मोंगरा बाई यदु इनके पास आकर बोली कि तुम बड़ी जमीन वाली हो कहकर इनके गला को पकड़कर मोंगराबाई यदु, सरिता यदु, पुन्नीबाई यदु ने मिलकर इसे जमीन में पटक दिये, फिर इसकी लड़की निर्मला बाई पाल को एक राय होकर मोंगरा बाई यदु, पुन्नीबाई यदु, भुनेश्वरी यदु, सरिता यदु द्वारा हाथ मुक्का एवं डण्डा से मारपीट करने एवं तुकेराम यदु द्वारा लोहे के धारदार टंगिया से ताबड़तोड़ सिर एवं चेहरे में प्राणघातक हमला कर गंभीर चोट पहुंचाकर हत्या करना।आरोपीगण 01. तुकेराम यदु पिता मनहरण यदु उम्र 28 साल निवासी बोरिया थाना बेरला, 02. श्रीमती भुनेश्वरी यदु पति युवराज यदु उम्र 23 साल निवासी बोरिया थाना बेरला, 03. श्रीमती सरिता यदु पति कमलेश यदु उम्र 24 साल साकिन बोरिया थाना बेरला, 04. श्रीमती मोंगरा बाई यदु पति मनहरण यदु उम्र 55 साल साकिन बोरिया थाना बेरला, 05. श्रीमती पुन्नी यदु पति जगदीश यदु उम्र 70 साल साकिन बेरिया थाना बेरला जिला बेमेतरा को बीते शुक्रवार को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में न्यायिक रिमांड पर प्रस्तुत किया गया। इस संपूर्ण कार्यवाही एसडीओपी बेरला विनय कुमार के नेतृत्व में थाना प्रभारी बेरला निरीक्षक कृष्ण कांत सिंह, प्रधान आरक्षक दिनेश मंडावी, दिनानाथ यादव, आरक्षक रामेश्वर पटेल, खुशाल बोरकर, सुरेन्द्र जांगडे, धनसाय मिरे, तुकाराम निषाद, महिला आरक्षक मालती साहू सहित थाना बेरला के समस्त पुलिस स्टाफका महत्वपूर्ण एवं सराहनीय योगदान रहा।

गणित एवं बायोलॉजी से 12वीं उत्तीर्ण विद्यार्थी प्रवेश पा सकेंगे डेयरी टेक्नोलॉजी डिप्लोमा कोर्स में

बेमेतरा/मूक पत्रिका

छ.ग. शासन एवं दाऊ श्री वासुदेव चन्द्राकर कामधेनू विश्वविद्यालय द्वारा ग्राम चोरभ?ट्टी में गत् चार वर्षो से संचालित शासकीय डेयरी पॉलीटेक्निक महाविद्यालय में कक्षा 12वीं में गणित एवं बायोलॉजी से उत्तीर्ण विद्यार्थियों को 12वीं अको के मेरिट के आधार पर प्रवेश प्रदान किये जाने की अनुमति प्रदान की गई है। यह निर्णय जिले के उन विद्यार्थी के भविष्य को लेकर किया गया है जिनके पास गणित एवं बायोलॉजी विषय से 12वीं परीक्षा उत्तीर्ण करने पश्चात् तकनीकी शिक्षा के समुचित विकल्प उपलब्ध नहीं होते।उल्लेखनीय है कि चोरभट्टी स्थित डेयरी पॉलीटेक्निक के द्विवर्षीय (चार सेमेस्टर) पाठ्यक्रम में देश एवं प्रदेश में तेजी से विकसित हो रहे डेयरी उद्योग के लिये सक्षम युवाओं को तैयार करने के उद्देश्य से तकनीकी शिक्षा प्रदान की जाती है एवं महाविद्यालय से उत्तीर्ण सभी छात्राओं के लिये नौकरी एवं व्यवसाय के बहुविकल्प उपलब्ध रहते है जिससे एक ओर जिले एवं प्रदेश के विद्यार्थियों को रोजगार आसानी से उपलब्ध होता है तथा दूसरी ओर प्रदेश में स्थापित शासकीय अर्थशासकीय एव निजी डेयरी संस्थाओं की अन्य प्रदेशों के सक्षम युवाओं पर निर्भरता कम होती है। अभी संस्थान में प्रवेश प्रक्रिया प्रारम्भ है और 12वीं उत्तीर्ण विद्यार्थियों का विशेष रूप से गणित एवं बॉयोलॉजी विषय के विद्यार्थियों के लिये डेयरी सेक्टर में अपना भविष्य सुनिश्चित करने का यह सुनहरा अवसर है।प्रवेश प्रक्रिया हेतु चोरभ?ट्टी स्थित डेयरी पॉलीटेक्निक या विस्तृत जानकारी हेतु मोबाइल नं. 8964844803, 9340291259, 7000231858, 7000240762, 9098360150 पर संपर्क किया जा सकता है।

छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव 2025 के अंतर्गत डोंगरगांव में महतारी मेगा हेल्थ कैंप का सफल आयोजन

डोंगरगांव /मूक पत्रिका

एकीकृत बाल विकास परियोजना डोंगरगांव के अंतर्गत महतारी मेगा हेल्थ कैंप का आयोजन रजत महोत्सव 2025 की श्रृंखला में किया गया। कैंप में कुल 112 महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया, जिसमें एच.बी., बी.पी., शुगर तथा सिकलसेल की जांच सम्मिलित रही। साथ ही जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी श्रीमती दीपा शाह द्वारा विभागीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम के अंतर्गत रजत जयंती महोत्सव पर आकर्षक रंगोली बनाई गई। बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। साथ ही टॉय निर्माण प्रदर्शनी एवं व्यंजन प्रदर्शनी का भी आयोजन हुआ, जिसमें रेडी-टू-ईट पारंपरिक व्यंजन विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। कैंप में मुख्य अतिथियों के रूप में पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष दिनेश गांधी, जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रंजिता पडोती प्रतिनिधि श्री कपिल पडोती, नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती अंजू त्रिपाठी, सेवा सहकारी समिति एवं पूर्व मंडल अध्यक्ष रामकुमार गुप्ता, महिला बाल विकास सभापति श्रीमती ममता मनीष पटेल, सभापति विवेक मंडावी, सभापति श्रीमती रेशमा साहू, जनपद सदस्य श रेशम लाल साहू, जनपद सदस्य श्रीमती हरिला देवेंद्र साहू, पार्षद लक्ष्मीनारायण सेन, कोमल साहू, श्रीमती निर्मला एवं श्रीमती पद्मिनी ठाकुर सहित अनेक जनप्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों में संतोष लांझेवार, पर्यवेक्षक श्रीमती हंसू साहू, श्रीमती लक्ष्मी सोनकर, पूजा दीक्षित, बेबी गीतांजलि दीवान, पदमा चंद्रवंशी, वंदना साहू, गायत्री यादव, देविका साहू सहित बड़ी संख्या में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं लाभान्वित महिलाएं उपस्थित थीं। अंत में सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन किया गया।

घुरावड़ की पुल टूटने की कगार पे, प्रतिदिन गुजरते है सैकड़ों लोग

धमतरी/घुरावड़/मूक पत्रिका

प्रतिदिन इस रास्ते से सैकड़ों लोग गुजरते हैं, उनको काफी ज्यादा परेशानियों का सामना करना पड़ता है। नगरी से कांकेर को जोड़ने वाली सड़क की हालत पहले से ही काफी ज्यादा जर्जर हो चुकी है। मुक पत्रिका में खबर लगने के पश्चात सड़क की मरम्मत की गई थी, और वह मरम्मत भी बिल्कुल गुणवत्ता हीन था, 2- 3 दिनों में ही सड़क की हालत पहले जैसी हो गई। पर यह घुरावड़ के पास का पुल अंतिम सांस ले रही है। ऊपर से सरिया दिखने लगे हैं। और यह सरिया कई वाहनों को क्षति पहुंचा चुके हैं, तो कई दुर्घटनाओं को अंजाम दे चुके हैं। शासन,प्रशासन और आम जनता सभी लोग इस रास्ते से गुजरते हैं पर अनदेखा कर देते हैं। यह पुल कब अपना दम तोड़ दे और रास्ता बाधित हो जाए इसका कोई समय सीमा नहीं है। बारिश के दिनों में अत्यधिक समस्याओं का सामना करना पड़ता है राहगीरों को, गड्ढे पानी से भर जाते हैं और सरिया दिखाई नहीं देते, और यही सरिया वाहनों के टायर में लगकर वाहन को क्षति पहुंचाते हैं।

नक्सल मुक्त कोण्डागांव जिले की मुठभेड़ वाली घटना, केंद्रीय गृह मंत्री के दावे पर प्रष्न खड़ा करने वाला है - श्री लकड़ा

सम्भागीय जांच दल ने कोहकामेटा नक्सल मुठभेड को फर्जी पाया, कराया जाएगा एफआई.आर.- प्रकाश

कोण्डागांव/मूक पत्रिका

सर्व आदिवासी समाज बस्तर सम्भाग के सम्भागीय जांच दल के सदस्यों द्वारा तैयार रिपोर्ट में भी कोहकामेटा नलाझर में हुए पुलिस - नक्सल मुठभेड को पुरी तरह फर्जी पाए जाने पर सर्व आदिवासी समाज बस्तर सम्भाग द्वारा सम्भाग स्तरीय प्रेस वार्ता का आयोजन आदिवासी विश्राम भवन कोण्डागांव में 22 अगस्त को किया गया। जिसमें सम्भागीय अध्यक्ष प्रकाष ठाकुर, महा सचिव टी.लकड़ा, बंगा राम सोढ़ी जिला अध्यक्ष कोण्डागांव, गंगा नाग जिला अध्यक्ष जगदलपुर, सदाराम ठाकुर कार्यवाहक अध्यक्ष नारायणपुर, धनीराम षोरी अध्यक्ष मुरिया समाज जिला कोण्डागांव, तुलसी नेताम युवा प्रभाग संभागीय अध्यक्ष, कार्यकारणी सदस्यों में षंभुनाथ देहारी नरायणपुर, विष्वनाथ कोडोपी, रुपसिंह सलाम, उपाध्यक्ष सुखराम पोयाम, ब्लॉक अध्यक्ष रामनाथ नाग मर्दापाल, सदस्य ए.आर.नेताम, संयुक्त सचिव जीवन लाल नाग, कमलेष कष्यप, उमेष नेताम, जीतु कष्यप् आदि उपस्थित रहे। सम्भागीय अध्यक्ष प्रकाष ठाकुर ने सम्भाग स्तरीय जांच दल द्वारा पाए गए तथ्यों का विस्तारपुर्वक खुलासा करते हुए बताया कि फर्जी मुठभेड मामले में समाज के घायल एवं अन्य तीनों युवकों ने जांच दल को बताया कि पुलिस द्वारा उन युवकों के साथ मारपीट किया गया, नक्सली होना स्वीकार करने के लिए बहुत अधिक दबाव बनाया गया है। वर्तमान में घायल युवक के द्वारा पुलिस को यह बताए जाने कि वह गांव का युवक है, के बावजुद पुलिस द्वारा लगभग 5 मीटर की दूरी से गोली मारा गया है। आरोप लगाया गया कि यदि चारो लड़के वहीं रहते, तो चारो लड़कों को मारते, सभी को ड्रेस पहनाते और बताते कि ये ईनामी नक्सली हैं, ईनाम में मिलने वाले रकम को खाते। ऐसे ही मामले पूरे बस्तर सम्भाग में लगातार होता दिख रहा है। नक्सली बताकर बेगुनाहों को मारा जा रहा है। बस्तर सम्भाग में नक्सली मामला, संख्या बढ़ाने के लिए किसी भी आदिवासी को मारा जा रहा है। हम सही नक्सली-मुठभेड में मारे जाने वालों के मामले में कुछ नहीं कहते, चुपचाप रहते हैं। मुठभेड़ के बाद पुलिस द्वारा पेष किए गए सामग्री के बारे में कहा कि वर्दी, रायफल आदि सामग्री को अपने वाहन में हमेषा लेकर घूमते हैं।

यह पूछने पर कि समाज क्या करेगा तो उन्होंने बताया कि समाज ने पीड़ित परिवार से कहा है कि सम्बन्धित पुलिस के विरुद्ध एफआई.आर.दर्ज करने के लिए लिखित आवेदन थाने में दें। वहीं सुझाव को मानते हुए पीड़ित परिवार द्वारा केषकाल थाने में लिखित आवेदन देने का प्रयास किया गया, लेकिन पुलिस द्वारा आवेदन पत्र को नहीं लिए जाने की सूचना उन्हें मिली है, जिसपर समाज ने पीड़ित के परिजनों से समाज के कुछ लोगों के साथ जाकर एक बार और प्रयास करने तथा विडीयोग्राफी करने को कहा है। फिर भी एफआई.आर.दर्ज करने सम्बन्धी आवेदन नहीं लिया गया तो समाज एस.पी. तक मामले को पहुंचाने में पीड़ित परिवार का सहयोग करेगी। फिर भी कार्रवाई नहीं हुई न्यायालय की षरण में जाएंगे।

महा सचिव टी.लकड़ा ने कहा कि कोण्डागांव जिला को गृह मंत्रालय भारत सरकार एवं राज्य सरकार के द्वारा नक्सल मुक्त जिला घोशित किया गया है, के बावजुद कोहकामेटा की जो घटना हुई है। ये हम लोग को सोचने वाली बात है और सरकार का प्लान है कि 2026 तक पुरे बस्तर सम्भाग को नक्सलमुक्त करेंगे। एक स्वयं घोशित नक्सलमुक्त जिला नहीं सम्भल रहा है, तो क्या 2026 के बाद नक्सलमुक्त बस्तर सम्भाग को सम्भाल लेंगे ? कुबत है इनमें ? जब तक ये नक्सवाद की जड़ों तक नहीं पहुंचेंगे, इस समस्या का समाधान गांव वालों के साथ बैठ कर नहीं करेंगे। इस समस्या का समाधान भविश्य में नहीं होगा। यह भी कहा कि बस्तर सम्भाग को नक्सल समस्या को खत्म करने का एक ही उद्देष्य है कि खनिज सम्पदा को उद्योगपतियों को दिया जा सके। सरकार में इच्छाषक्ति की कमी है। यदि सरकार ने सारकेगुडा गोली कांड के न्यायिक जांच के पटल पर पेष होने के बाद अगर पुलिस के विरुद्ध आपराधिक मामला बनता, और अगर सलाखों के पीछे होते तो फर्जी एन्काउन्टर रुक जाते। सत्ता में नहीं बैठते तक तो आवाज करेंगे आदिवासियों के साथ आवाज मिलाकर, लेकिन जब आती है निर्णय लेने की बात, न्याय की बात तो इनमें इच्छाशक्ति की कमी दिखती है। नक्सली खत्म करने के लिए केवल झाड़ को काटा जा रहा है, जड़ को ध्यान नहीं दिया जा रहा है। ऐसे ही फर्जी मुठभेड़ होते रहे तो बचे हुए जड़ से जब शाखाएं निकलेगी तो क्या होगा इसका आंकलन सरकार नही कर पा रहा है।

जिले में अब तक 397.8 मिमी. औसत वर्षा दर्ज

बेमेतरा/मूक पत्रिका

चालू बारिश सीजन के दौरान बेमेतरा जिले में 01 जून से 22 अगस्त 2025 प्रतिवेदित दिनांक तक की स्थिति में सवेरे 8.00 बजे तक जिले में 397.8 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई है। जिले में अब तक सर्वाधिक वर्षा तहसील थानखम्हरिया में 624.3 मि.मी. तथा न्यूनतम 281.5 मि.मी. वर्षा भिंभौरी तहसील में दर्ज की गई है। संयुक्त जिला कार्यालय के भू-अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार बेमेतरा तहसील मे 349.5 मि.मी. वर्षा, नांदघाट तहसील में 386.6 मि.मी. वर्षा, बेरला तहसील में 352.5 मि.मी., देवकर तहसील में 378 मि.मी, वर्षा दाढ़ी तहसील मे 485.9 मि.मी., वर्षा नवागढ़ तहसील में 291 मि.मी. एवं साजा तहसील में 431 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई है।

संपादकीय

निर्वाचन आयोग के साख पर सवाल

पिछले काफी समय से देश में स्वतंत्र, स्वच्छ और पारदर्शी चुनाव के लिए लगातार आवाज उठाई जाती रही है। खासतौर पर ईवीएम के जरिए मतदान और मतों की गिनती को लेकर कई बार संदेह जाहिर किए गए। ऐसे आरोप सामने आए कि इसमें तकनीकी गड़बड़ी के जरिए या मतगणना में हेरफेर करके नतीजे प्रभावित किए जाते हैं। विडंबना यह है कि जब भी इस तरह के सवाल उठाए जाते हैं, तो आमतौर पर उन्हें निराधार मान कर खारिज कर दिया जाता है।दलील यह होती है कि जो उम्मीदवार हारता है, केवल उसे ही शिकायत होती है। जरूरी नहीं कि ऐसे सभी आरोप सही साबित हों। मगर इसी बीच अगर कहीं से मतगणना और नतीजों में हेरफेर की कोई शिकायत हर स्तर की जांच-पड़ताल के बाद अंतिम तौर पर सही पाई जाए, तो ऐसे में समूची प्रणाली भी संदेह के घेरे में आती है। जाहिर है, इसके बाद फिर नतीजे और उसके आधार पर बनी सरकारें भी कठघरे में होती हैं। गौरतलब है कि हरियाणा के पानीपत जिले के ग्राम पंचायत बुआना लखू में सन 2022 में हुए सरपंच के चुनाव के बाद जब नतीजों की घोषणा हुई, तभी इस पर विवाद उठा था। वह मामला तब जिला अदालत से होते हुए आखिर सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा।ऐसी शिकायतें अब तक शायद ही किसी अंजाम तक पहुंची हों। मगर इस मामले में शीर्ष अदालत के फैसले ने पहली बार ईवीएम से चुनाव और मतगणना पर उठने वाले सवालों को मजबूत आधार दिया है। दरअसल, इस मामले में अदालत ने खुद ईवीएम मंगवा कर अपनी निगरानी में मतों की फिर से गिनती करवाई और पहले के नतीजे से अलग परिणाम घोषित किया। इसमें परिणाम पलट गया और पहले हार चुके प्रत्याशी को सरपंच बनाया गया।जाहिर है, शीर्ष अदालत की इस कवायद के बाद अब ईवीएम के जरिए डाले गए मत और उसकी गिनती से लेकर किसी प्रत्याशी की जीत-हार की घोषणा तक की समूची प्रक्रिया की पारदर्शिता पर अगर सवाल उठते हैं, तो उसे बेमानी या निराधार घोषित कर पाना मुश्किल होगा। इस पूरे मामले से यह भी जाहिर होता है कि किसी चुनाव की पूरी प्रक्रिया से जुड़े सभी दस्तावेजों को सुरक्षित रखना बेहद जरूरी है, ताकि विवाद की स्थिति में उनकी जांच हो और सारे संदेह दूर किए जाएं।

अब तक भारतीय राजनीति में दक्षिण भारत, विशेषकर तमिलनाडु में भाजपा की जड़ें अपेक्षाकृत कमजोर और सबसे बड़ी चुनौती रहा है। उत्तर और पश्चिम भारत में लगातार सफलता के बाद पार्टी चाहती है कि दक्षिण के राज्य भी उसके प्रभाव में आएं। राधाकृष्णन तमिलनाडु से आते हैं और वहां भाजपा के शीर्ष चेहरों में गिने जाते हैं। उनका उपराष्ट्रपति उम्मीदवार बनना भाजपा की यह घोषणा है कि वह दक्षिण भारत को अब हाशिए पर नहीं, बल्कि सत्ता की मुख्यधारा में लाना चाहती है। राधाकृष्णन तमिलनाडु में भाजपा के मजबूत संगठनकर्ता के रूप में पहचाने जाते हैं। सीपी राधाकृष्णन उत्तर भारत के भाजपा के राजनीतिक गलियारे में राधाजी के नाम से जाने जाते हैं।

राधाकृष्णन की उम्मीदवारी से कई हित सधेंगे

(ललित गर्ग)

अब तक भारतीय राजनीति में दक्षिण भारत, विशेषकर तमिलनाडु में भाजपा की जड़ें अपेक्षाकृत कमजोर और सबसे बड़ी चुनौती रहा है। उत्तर और पश्चिम भारत में लगातार सफलता के बाद पार्टी चाहती है कि दक्षिण के राज्य भी उसके प्रभाव में आएं।

भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले राजग ने चंद्रपुरम पोन्नुस्वामी राधाकृष्णन को उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार घोषित करके एक तीर से अनेक निशाने साधे हैं। भाजपा ने बहुत सोच-समझकर उन्हें इस प्रतिष्ठित पद का उम्मीदवार बनाया है। वे तमिल हैं, पिछड़े भी हैं, संघ से जुड़े हैं और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पुराने करीबी एवं साफ-सुथरी छवि वाले राजनायक हैं। भाजपा ने जब उन्हें उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार घोषित किया, तो यह केवल राजनीतिक गणित का परिणाम नहीं था, बल्कि एक ऐसे व्यक्तित्व को राष्ट्रीय मंच पर स्थापित करने का निर्णय था, जो सादगी, ईमानदारी और सेवा की पहचान रखते हैं। उनका चयन भारतीय लोकतंत्र की व्यापकता और समावेशिता का जीवंत प्रतीक है।

अब तक भारतीय राजनीति में दक्षिण भारत, विशेषकर तमिलनाडु में भाजपा की जड़ें अपेक्षाकृत कमजोर और सबसे बड़ी चुनौती रहा है। उत्तर और पश्चिम भारत में लगातार सफलता के बाद पार्टी चाहती है कि दक्षिण के राज्य भी उसके प्रभाव में आएं। राधाकृष्णन तमिलनाडु से आते हैं और वहां भाजपा के शीर्ष चेहरों में गिने जाते हैं। उनका उपराष्ट्रपति उम्मीदवार बनना भाजपा की यह घोषणा है कि वह दक्षिण भारत को अब हाशिए पर नहीं, बल्कि सत्ता की मुख्यधारा में लाना चाहती है। राधाकृष्णन तमिलनाडु में भाजपा के मजबूत संगठनकर्ता के रूप में पहचाने जाते हैं। सीपी राधाकृष्णन उत्तर भारत के भाजपा के राजनीतिक गलियारे में राधाजी के नाम से जाने जाते हैं। तमिलनाडु की कोयंबटूर लोकसभा सीट से 1998 और 1999 के आम चुनावों में भाजपा के टिकट पर सांसद चुने गए सीपी राधाकृष्णन ने स्कूली जीवन से ही आरएसएस का दामन थाम लिया था। हालांकि एक दौर में वे तमिल राजनीति में अन्नाद्रमुक के करीब माने जाते थे। उनके तमाम राजनीतिक दलों के नेताओं से मधुर संबंध हैं। उपराष्ट्रपति चुनाव में डीएमके भी उनकी उम्मीदवारी का विरोध करना कठिन हो सकता है।

उपराष्ट्रपति पद पर उनका चयन ओबीसी समाज को सम्मान और सशक्तिकरण का नया संदेश देगा। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने लगातार इस वर्ग को सशक्त बनाने की दिशा में कार्य किया है। राधाकृष्णन ओबीसी समाज से आते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने हमेशा 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' की नीति को बल दिया है। राधाकृष्णन का चयन इसी दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है। इससे भाजपा को देशभर में ओबीसी समाज का और अधिक समर्थन मिल सकता है। इससे भाजपा की सामाजिक आधारशिला और मजबूत होगी। भाजपा अपने निर्णयों से हमेशा करिश्मा घटित करती रही है, अपने चतुराई का परिचय

देती रही है, सी.पी. राधाकृष्णन का चयन भाजपा की इसी रणनीतिक चतुराई का ही बड़ा उदाहरण है। इससे पार्टी ने एक तीर से अनेक निशाने साधे हैं, दक्षिण भारत में पैठ बनाना, ओबीसी समाज को साधना, विपक्ष को असहज करना और साफ-सुथरी राजनीति का संदेश देना। यह तय है कि उपराष्ट्रपति के रूप में वे न केवल भाजपा बल्कि पूरे राष्ट्र के लिए सफल नायक सिद्ध होंगे।

यह एक संयोग की कहा जायेगा कि देश के शीर्ष दो पदों पर विराजमान हस्तियों का नाता झारखंड से रहा है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु देश के सर्वोच्च पद पर चुने जाने से पहले झारखंड की राज्यपाल रहीं और देश के उपराष्ट्रपति बनने जा रहे सीपी राधाकृष्णन भी इस राज्य के राज्यपाल रहे हैं। इन दिनों वे महाराष्ट्र के राज्यपाल हैं। वे झारखंड के साथ ही तेलंगाना के राज्यपाल और पुदुचेरी के उपराज्यपाल का भी अतिरिक्त कार्यभार संभाल चुके हैं। मोदी-शाह का उन पर बड़ा भरोसा रहा है, क्योंकि उन्हें एक समय एक साथ तीन-तीन राज्यों के राज्यपालों की जिम्मेदारी थमाई गई थी। अभी उपराष्ट्रपति पद पर ऐसे ही भरोसेमंद, निष्ठाशील एवं जिम्मेदार व्यक्ति की ही तलाश थी। उपराष्ट्रपति भारत का प्रतिनिधित्व अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी करते हैं। राधाकृष्णन का अध्ययनशील स्वभाव, शालीन व्यवहार और संतुलित दृष्टिकोण भारत की सॉफ्ट पावर को और मजबूत करेगा। उनका व्यक्तित्व भारत की परंपरा, संस्कृति और लोकतांत्रिक मूल्यों का प्रभावी प्रतिनिधित्व करेगा।

भारतीय राजनीति में उपराष्ट्रपति केवल राज्यसभा के सभापति ही नहीं होते, बल्कि सर्वदलीय संवाद और लोकतांत्रिक परंपराओं के संरक्षक भी होते हैं। राधाकृष्णन का सौम्य व्यक्तित्व, धैर्य और संवाद क्षमता उन्हें इस भूमिका में और अधिक सफल बनाएगी। विपक्षी दलों के लिए भी उनकी छवि स्वीकार्य है, जो संसद की कार्यवाही को संतुलित बनाए रखने में सहायक होगी। सी.पी. राधाकृष्णन का उपराष्ट्रपति पद पर चयन भारतीय लोकतंत्र की उस विशेषता को रेखांकित करता है, जिसमें सादगी और सेवा जैसे गुण सर्वोपरि माने जाते हैं। वे न केवल दक्षिण भारत और ओबीसी समाज का सम्मान हैं, बल्कि पूरे राष्ट्र के लिए आशा और संतुलन का चेहरा हैं। निश्चित रूप से वे उपराष्ट्रपति पद की जिम्मेदारी को सफलतापूर्वक निभाते हुए आने वाले वर्षों में एक आदर्श और प्रेरक नायक सिद्ध होंगे। जैसाकि पूर्व उपराष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन हमारे आदर्श नायक हैं।

वैसे भी डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन और वर्तमान उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार सी.पी. राधाकृष्णन के बीच कुछ उल्लेखनीय समानताएं दिखाई देती हैं। भले ही दोनों की पृष्ठभूमि अलग हो, एक महान दार्शनिक, शिक्षक और राजनयिक रहे, तो दूसरे राजनीति और सामाजिक जीवन से जुड़े हैं, फिर भी उनके व्यक्तित्व में कई साझा बिंदु हैं जैसे दोनों का नाम 'राधाकृष्णन' है, जो भारतीय संस्कृति में श्रीकृष्ण से जुड़ी भक्ति, ज्ञान और नीति का प्रतीक है। दोनों ने अपने-अपने क्षेत्र में भारतीय परंपरा और मूल्यों को प्रतिष्ठित किया। डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने भारतीय दर्शन को विश्वपटल पर प्रतिष्ठा दिलाई और शिक्षा जगत को नई दिशा दी। सी.पी. राधाकृष्णन ने राजनीति और सार्वजनिक जीवन में सेवा, ईमानदारी और पारदर्शिता के लिए ख्याति अर्जित की। डॉ. राधाकृष्णन जीवन भर शिक्षक रहे और शिक्षा को राष्ट्र निर्माण का मूल आधार माना। सी.पी. राधाकृष्णन का राजनीतिक जीवन भी शिक्षा, नैतिकता और संस्कारों की धरती पर खड़ा है। वे स्वच्छ छवि और सादगी के लिए जाने जाते हैं। दोनों का जीवन साधारण परंतु ऊँचे आदर्शों से जुड़ा रहा। किसी प्रकार का दुराचार या विवाद इन दोनों के जीवन में नहीं जुड़ा, जो आज के राजनीतिक और सार्वजनिक जीवन में बहुत दुर्लभ है। डॉ. राधाकृष्णन को दार्शनिक-राजनेता के रूप में विश्वभर में सम्मान मिला। सी.पी. राधाकृष्णन को जनता का भरोसा, सरल व्यवहार और समाज में उनकी स्वीकार्यता ने एक सम्मानित नेता बनाया। डॉ. राधाकृष्णन ने भारतीय संस्कृति के सार्वभौमिक दृष्टिकोण को स्थापित किया। सी.पी. राधाकृष्णन भी राजनीति में समन्वयकारी, सर्वसमावेशी और राष्ट्रहित की सोच को आगे बढ़ाते हैं। दोनों ही भारतीय मूल्यों, ईमानदारी और राष्ट्र-सेवा के प्रतीक माने जा सकते हैं।

राजनीति में सी.पी. राधाकृष्णन की पहचान एक स्वच्छ और सादगीपूर्ण नेता की है। वे कभी भी विवादास्पद राजनीति का हिस्सा नहीं बने, बल्कि अपने संगठन कौशल, जनता से जुड़ाव और सेवाभाव से अपनी अलग जगह बनाई।

कुत्तों को संभालना और रेबीज का इलाज खोजना जरूरी

(प्रदीप कुमार मुखर्जी)

लावारिस या आवारा कुत्तों की समस्या दिन-ब-दिन विकट रूप धारण करती जा रही है। एक ओर पशुप्रेमी, विशेष रूप से श्वानप्रेमी, आवारा कुत्तों के प्रति अपने प्रेम का प्रदर्शन करते हुए उन्हें खिलाते-पिलाते रहते हैं। मगर परेशानी यह है कि ये उन्हें अपने घर न ले जाकर गली की ही शोभा बनाए रखना चाहते हैं।

दूसरी ओर, इन लावारिस कुत्तों से बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं को खासतौर पर खतरा बना रहता है। कहीं-कहीं तो मौका मिलने पर ये नवजात शिशुओं को नोच-खसोटकर उनकी जान ही ले लेते हैं। चूंकि इन कुत्तों को लोगों का पूरा स्नेह नहीं मिल पाता, इसलिए वे आक्रामक होकर लोगों पर झपटकर उनमें दांत गड़ा देते हैं। यही कारण है कि देश की शीर्ष अदालत द्वारा 11 अगस्त को दिए गए फैसले का स्वागत जहां आम जनता ने किया है, वहीं पशुप्रेमी और पशु अधिकारों की पैरोकारी करने वाले संगठनों ने अपनी नाराजगी जाहिर की है।

पशु अधिकार कार्यकर्ता और पूर्व केंद्रीय मंत्री मेनका गांधी ने इसे नितांत अव्यावहारिक, आर्थिक रूप से असंभव और पर्यावरण संतुलन की दृष्टि से भी हानिकारक बताया है। कोर्ट ने सख्ती से पूछा था कि पशुप्रेमी क्या रेबीज से मरे बच्चों को वापस ला सकते हैं? यह एक महत्वपूर्ण टिप्पणी है, लिहाजा जमीनी वास्तविकता पर गौर करना आवश्यक है।

साल 2022-23 में किए गए एक गैर-सरकारी सर्वेक्षण के अनुसार, दिल्ली में लगभग 10 लाख लावारिस कुत्ते हैं। इनमें से आधे से भी कम का बधियाकरण किया गया है। ध्यान रहे कि इसी साल जनवरी से जून तक सिर्फ राष्ट्रीय राजधानी में जानवरों (कुत्ते, बंदरों आदि) के काटने की 35,198 घटनाएं दर्ज की गई हैं। एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम के अनुसार, दिल्ली में लावारिस कुत्तों के काटने के मामले वर्ष 2022 में लगभग 6,700 थे, जो वर्ष 2024 में बढ़कर 25,000 से अधिक हो गए। दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में रेबीज के टीके के लिए रोजाना 700-800 पीड़ित पहुंचते हैं। पहले यह संख्या 500-550 के बीच थी। सफदरजंग में जनवरी-जुलाई, 2025 के दौरान 91,009 पीड़ित आए, जबकि इसी अवधि में हिंदूराव अस्पताल में पहुंचने वाले पीड़ितों की संख्या 4,861 थी। नोएडा में, जनवरी से मई, 2025 के दौरान कुत्ता काटने के 52,700 से अधिक मामले सामने आए। केंद्रीय मंत्री एसपी सिंह बघेल ने विगत 22 जुलाई को संसद में बताया था कि पिछले वर्ष देश में कुत्तों के काटने के मामलों की संख्या 37,17,336 थी, जबकि रेबीज से हुई संदेहास्पद मानव मौतों की सख्या 54। एक अनुमान के अनुसार, भारत में प्रति वर्ष लगभग 5,700 लोग रेबीज की वजह से मरते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुमान के अनुसार, रेबीज के कारण हरेक साल विश्व भर में लगभग 59,000 लोगों की मौत हो जाती है, जिनमें से 95 प्रतिशत से अधिक मौतें एशिया और अफ्रीका में होती हैं। यह दुखद है कि इन मौतों में से 40 प्रतिशत मौतें 15 वर्ष से कम आयु के बच्चों की होती हैं।

कुत्तों के काटने से होने वाली रेबीज बड़ी ही खतरनाक बीमारी है। इसका समय पर इलाज न मिल पाने से पीड़ित व्यक्ति तड़पकर दम तोड़ देता है। मरने से पहले ऐसे व्यक्ति को पानी का डर सताने लगता है, जिसको 'हाइड्रोफोबिया' का नाम दिया जाता है। र

रेयर अर्थ मैग्नेट्स और चीन की ढील अस्थायी राहत है, समाधान आत्मनिर्भरता में छिपा है

भारत इस बात को समझ रहा है इसलिए प्रधानमंत्री मोदी ने पहले से तैयारी शुरू कर दी थी और लिथियम बैटरियों के स्वदेशी उत्पादन की दिशा में कदम बढ़ाये थे। हम आपको याद दिला दें कि भारत सरकार ने 2021 में राष्ट्रीय उन्नत रसायन सेल (एसीसी) बैटरी भंडारण कार्यक्रम के अंतर्गत पीएलआई-एसीसी योजना शुरू की थी। 18,100 करोड़ रुपये की इस योजना का लक्ष्य 50 गीगावाट घंटा उत्पादन क्षमता विकसित करना है।

(नीरज कुमार दुबे)

चीन द्वारा निर्यात पर लगाए गए प्रतिबंधों ने भारतीय उद्योगों को झटका दिया था। विशेष रूप से ऑटोमोबाइल और इलेक्ट्रिक वाहन क्षेत्र में उत्पादन और नई परियोजनाओं पर संकट खड़ा हो गया था। हालाँकि, चीन ने अब इन प्रतिबंधों में ढील दी है, जिससे तत्काल राहत मिली है।

चीन द्वारा हाल ही में लगाए गए और फिर हटाए गए रेयर अर्थ मैग्नेट्स के निर्यात प्रतिबंध ने भारत की औद्योगिक ढाँचे की सबसे बड़ी कमजोरी को उजागर कर दिया है। इलेक्ट्रिक वाहन, नवीकरणीय ऊर्जा, रक्षा और उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे क्षेत्रों की प्रगति जिन महत्वपूर्ण खनिजों पर निर्भर है, उनमें भारत आज भी भारी मात्रा में आयात पर आश्रित है। चीन का वर्चस्व और उसकी नीतिगत अनिश्चितता भारत जैसे देश के लिए केवल आर्थिक चुनौती ही नहीं, बल्कि रणनीतिक खतरा भी है।

चीन द्वारा निर्यात पर लगाए गए प्रतिबंधों ने भारतीय उद्योगों को झटका दिया था। विशेष रूप से ऑटोमोबाइल और इलेक्ट्रिक वाहन क्षेत्र में उत्पादन और नई परियोजनाओं पर संकट खड़ा हो गया था। हालाँकि, चीन ने अब इन प्रतिबंधों में ढील दी है, जिससे तत्काल राहत मिली है, लेकिन इसने यह भी साफ कर दिया कि यदि भारत समय रहते आत्मनिर्भर नहीं बना तो भविष्य में ऐसी स्थितियाँ बार-बार सामने आ सकती हैं।

भारत इस बात को समझ रहा है इसलिए प्रधानमंत्री मोदी ने पहले से तैयारी शुरू कर दी थी और लिथियम बैटरियों के स्वदेशी उत्पादन की दिशा में कदम बढ़ाये थे। हम आपको याद दिला दें कि भारत सरकार ने 2021 में राष्ट्रीय उन्नत रसायन सेल (एसीसी) बैटरी भंडारण कार्यक्रम के अंतर्गत पीएलआई-एसीसी योजना शुरू की थी। 18,100 करोड़ रुपये की इस योजना का लक्ष्य 50 गीगावाट घंटा उत्पादन क्षमता विकसित करना है। इसमें से 40 गीगावाट घंटा क्षमता पहले ही विभिन्न कंपनियों को आवंटित की जा

चुकी है। यह क्षमता न केवल इलेक्ट्रिक वाहनों बल्कि उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स, रेल और रक्षा क्षेत्र को भी मजबूत करेगी। इससे यह उम्मीद की जा रही है कि भारत लिथियम बैटरियों के क्षेत्र में धीरे-धीरे आयात पर निर्भरता घटाकर घरेलू वैल्यू चेन तैयार करेगा।

इसके अलावा, खनन मंत्रालय ने रणनीतिक खनिजों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए कई अंतरराष्ट्रीय समझौते किए हैं। ऑस्ट्रेलिया, अर्जेंटीना, जाम्बिया, पेरू, जिम्बाब्वे, मोजाम्बिक, मलावी, कोट डी आइवरी जैसे खनिज-संपन्न देशों के साथ सहयोग बढ़ाया जा रहा है। साथ ही भारत ने अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) जैसे संगठनों के साथ भी साझेदारी की है। यह सहयोग न केवल कच्चे खनिजों की उपलब्धता सुनिश्चित करेगा बल्कि टेक्नोलॉजी, अनुसंधान और निवेश के क्षेत्र में भी मददगार होगा।

इन सभी प्रयासों से तीन महत्वपूर्ण संदेश निकलते हैं। पहला यह है कि चाहे बैटरी निर्माण हो या रेयर अर्थ मैग्नेट्स का उत्पादन, भारत को अपनी घरेलू वैल्यू चेन विकसित करनी ही होगी। दूसरा है कि चीन पर अत्यधिक निर्भरता की बजाय भारत को खनिजों की आपूर्ति के लिए बहुस्तरीय और बहु-देशीय नेटवर्क खड़ा करना होगा। तीसरा है कि यदि भारत वास्तव में ई-मोबिलिटी और नवीकरणीय ऊर्जा में वैश्विक नेतृत्व चाहता है तो उसे केवल आयात पर आधारित रणनीति से आगे बढ़कर संपूर्ण स्वदेशी पारिस्थितिकी तंत्र तैयार करना होगा।

जहां तक यह सवाल है कि रेयर अर्थ मैग्नेट्स क्यों खास हैं तो आपको बता दें कि रेयर अर्थ मैग्नेट्स अब तक के सबसे शक्तिशाली स्थायी चुम्बक माने जाते हैं। इनकी सबसे बड़ी विशेषता है उच्च चुंबकीय क्षमता और डिमैग्नेटाइजेशन (चुंबकत्व खत्म होने) के प्रति प्रतिरोध। इन्हें बनाने में मुख्यतः नियोडिमियम ,प्रसीओडिमियम ,और डिस्प्रोसियम जैसे रेयर अर्थ तत्वों का प्रयोग किया जाता है। इनकी मजबूती और हल्के वजन की वजह से ये छोटे आकार वाले, ऊर्जा-कुशल और आधुनिक उपकरणों के लिए अपरिहार्य हैं। वहीं सबसे ज्यादा इस्तेमाल किया जाने वाला मैग्नेट है नियोडिमियम-आयरन-बोरोन मैग्नेट।

हम आपको बता दें कि चीन के पास दुनिया की लगभग 70 प्रतिशत रेयर अर्थ मेटल्स खनन और करीब 90त्न मैग्नेट उत्पादन का नियंत्रण है। चीन की ताकत सिर्फ खनन तक सीमित नहीं है, बल्कि वह पूरी सप्लाई चेन–खनन, प्रसंस्करण, मिश्र धातु उत्पादन और मैग्नेट निर्माण–पर काबिज है। पिछले 6-8 वर्षों में इन मैग्नेट्स की मांग तेजी से बढ़ी है क्योंकि ये सामान्य फेराइट/पारंपरिक चुम्बकों की तुलना में ज्यादा टिकाऊ, हल्के और प्रभावी हैं।

भारत की ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री को 2025-26 में लगभग 870 टन रेयर अर्थ मैग्नेट्स की जरूरत होगी, जबकि देश की कुल मांग लगभग 3,600 टन अनुमानित है।

क्या आप भी खा रहे हैं समोसा और जलेबी? तो हो जाइए सावधान...

हमारे देश भारत में खाने-पीने की बहुत अहमियत है। यहां खाना सिर्फ पेट भरने के लिए नहीं खाया जाता है, बल्कि इसके पीछे एक इमोशनल छिपा होता है। घर पर मां के हाथ का बना खाना हो या बाहर की चटपटी चाट, लगभग हर भारतीय खाने-पीने का शौकीन होता है। लेकिन, क्या आपको पता है कि कब खाने-पीने की ये चीजें आपकी सेहत को नुकसान पहुंचा सकती हैं। जी हां, कुछ भी खाते वक्त ये ध्यान रखना बहुत जरूरी हो जाता है कि आप हेल्दी खाना खा रही हैं या फिर अनहेल्दी चीजों को अपनी डाइट का हिस्सा बना रही हैं। क्या आपको भी समोसा, जलेबी, लड्डू और पकौड़े जैसी फाइड और मीठी चीजें बहुत पसंद हैं और आप इन्हें अक्सर खाती हैं, तो आपको सावधान होने की जरूरत है। इनसे आप गंभीर बीमारियों का शिकार हो सकती हैं और इन्हें खाने पर अब सरकार की तरफ से चेतावनी दी जाएगी।

समोसे और जलेबी ज्यादातर लोगों को पसंद होते हैं। लेकिन, इनमें मीठे और तेल की मात्रा बहुत अधिक होती है। ज्यादातर लोग इन्हें स्वाद में खा तो लेते हैं लेकिन यह नहीं जानते हैं कि इनमें कितना तेल और शुगर छिपी है और कैसे यह उनकी सेहत को नुकसान पहुंचा सकती है। लेकिन, अब आप ये जान पाएंगे। रिपोर्ट के अनुसार, अब स्वास्थ्य मंत्रालय की तरफ से सभी केंद्रीय संस्थानों को निर्देश दिया गया है कि वे खाने-पीने की चीजों जैसे पकौड़ा, समोसा, वड़ा पाव, लड्डू और जलेबी पर ऑयल और शुगर बोर्ड लगाएं। जिससे कि लोगों को यह पता चल सके कि वे जिस स्नैक को खा रहे हैं, उसमें कितनी चीनी और तेल छिपा है। दरअसल ये बोर्ड्स एक चेतावनी की तरह काम करेंगे जिससे लोगों को ये समझ आए कि जिन फूड आइटम्स को वे अपने रूटीन में बेझिझक शामिल कर रहे हैं, वे कैसे उनकी सेहत को नुकसान पहुंचा रहे हैं। उम्मीद की जा रही है कि इससे लोग इन चीजों को सोच-समझकर ऑर्डर करेंगे, मोटापा, बीपी, कोलेस्ट्रॉल और डायबिटीज समेत कई दिक्कतें कम हो सकती हैं, खाना बनाने वाले लोग भी बैलेंस ऑयल और शुगर के इस्तेमाल की कोशिश करेंगे।

मोटापा बनता जा रहा है भारत के लिए बड़ी समस्या

इस समय मोटापा भारत के लिए एक बड़ी समस्या बनता जा रहा है। अनुमान है कि 2050 तक भारत में लगभग 45 प्रतिशत लोग मोटापे से ग्रस्त हो सकते हैं। ऐसे में यह एक सराहनीय कदम हो सकता है। सेहतमंद रहने के लिए अनहेल्दी फैट्स और रिफाइंड शुगर से दूर रहना और हेल्दी डाइट लेना बहुत जरूरी है। बताया जा रहा है कि इस योजना की शुरुआत फिलहाल नागपुर के सरकारी संस्थानों में की जा रही है।

इन बीमारियों में हाथ पैर पड़ जाते हैं सुन्न

समय रहते नहीं हुई पहचान तो होंगे लाखों खर्च

हाथ-पैर में सुन्नता, घातक बीमारियों का लक्षण हो सकता है, जिसे नजरअंदाज करना सेहत के साथ खिलवाड़ करने के समान है। इसलिए समय रहते इसकी मूल वजह की पहचान और उपचार जरूरी है।

सामान्य जीवन के लिए हाथ-पैर का सही से काम करना बेहद जरूरी है, पर कई बार हम जाने-अनजाने में ऐसी गलतियां कर बैठते हैं जिनके कारण हाथ-पैर कमजोर पड़ जाते हैं। खासकर हाथ-पैर में आई सुन्नता अपने आप में एक बेहद गंभीर स्थिति है, जो घातक बीमारियों का लक्षण हो सकता है। इसलिए समय रहते इसकी पहचान जरूरी है और यहां हम आपको इसी संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी देने जा रहे हैं। गौरतलब है कि अगर समय पर इलाज मिल जाए तो गंभीर बीमारियों का जोखिम काफी हद तक कम होता है। हाथ-पैरों की सुन्नता के संबंध में भी यही बात लागू होती है। समय रहते ही इसकी असल समस्या की पहचान जरूरी है। इसलिए उन समस्याओं के बारे में जानना आवश्यक हो जाता है, जिनके कारण हाथ-पैर में सुन्नता की समस्या आती है।

हाथ-पैरों या शरीर के किसी भी अंग में सुन्नता नर्व के डैमेज होने की स्थिति में होती है। ऐसी स्थिति किसी एक नर्व के दबने या क्षतिग्रस्त होने से भी हो सकती है या बहुत सारे नर्व के प्रभावित होने से। हमारे शरीर में लगभग 96 हजार किलोमीटर की तंत्रिका तंत्र कार्य करती है, जिससे शरीर के अलग-अलग हिस्सों और अंगों को सिग्नल पहुंचते हैं और वे कार्य करते हैं। दिमाग और स्पाइनल कॉर्ड के हिस्से में जब कोई नर्व डैमेज होता है तो सिग्नल टूटने के कारण हाथ और पैरों में सुन्नता आ जाती है। ऐसे में सुन्नता के साथ कई बार हाथ-पैर में झनझनाहट और दर्द भी महसूस हो सकता है। अब बात करते हैं कि कौन-कौन सी समस्याओं में ऐसी स्थिति बन सकती है।

मल्टीपल स्क्लेरोसिस

मल्टीपल स्केलेरोसिस केंद्रीय तंत्रिका तंत्र से जुड़ी घातक स्थिति है, जिसमें दिमाग, रीढ़ की हड्डी और ऑप्टिकल यानी आंख की तंत्रिकाएं प्रभावित होती हैं। ऐसे में मांसपेशियों में कमजोरी के साथ ही शरीर के अलग-अलग हिस्सों में सुन्नता उत्पन्न हो जाती है। बात करें इसके लक्षणों की तो हाथ-पैर में सुन्नता के साथ ही थकान और चक्कर आना, याददाश्त का कमजोर पड़ना और चेहरे की तंत्रिकाओं में दर्द महसूस होना भी शामिल है।

ब्रेन ट्यूमर

ब्रेन ट्यूमर की स्थिति में भी हाथ-पैर सुन्न पड़ सकते हैं या उनमें झनझनाहट महसूस हो सकती है। दरअसल, ब्रेन ट्यूमर मस्तिष्क और संवेदी रिसेप्टर्स तंत्रिकाओं के मार्ग को अवरुद्ध कर सकता है, ऐसी स्थिति में सिग्नल के टूटने के कारण हाथ-पैर या शरीर के दूसरे हिस्से काम करना बंद कर देते हैं।

डायबिटीज न्यूरोपैथी

शरीर में ब्लड शुगर का बढ़ा हुआ स्तर तंत्रिकाओं को भी क्षति पहुंचाता है, जिसके कारण हाथों और पैरों की सुन्नता की स्थिति बन सकती है। ऐसी स्थिति में पीड़ित व्यक्ति को असामान्य रूप से प्यास लग सकती है या अधिक यूरिन आने की दिक्कत पेश आ सकती कती है। इसलिए अगर आपको इनमें से कोई भी लक्षण नजर आएं तो अपने ब्लड शुगर की जांच जरूर करवाएं। वरना आगे चलकर यह समस्या गंभीर रूप ले सकती है।

कार्पल टनल सिंड्रोम

कार्पल टनल सिंड्रोम भी तंत्रिका तंत्र से जुड़ी समस्या है, जिसके कारण हाथों में सुन्नता, आती है। असल में ऐसा तब होता है जब हाथ की प्रमुख नसों में से कोई एक दब जाती है। ऐसे में समय रहते इसका उपचार जरूरी है, वरना आगे चलकर स्थिति गंभीर हो हो सकती है। इसके कारण हाथ और उंगलियां पूरी तरीके से काम करना बंद कर सकती हैं।

किडनी की बीमारी

किडनी डैमेज होने या उसमें आई खराबी के चलते भी हाथ-पैर की सुन्नता की हो सकती है। दरअसल, किडनी हमारे शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालता है। पर इसके खराब होने की स्थिति में जब विषाक्त पदार्थ सही से बाहर नहीं निकल पाते हैं तो वो तंत्रिकाओं को नुकसान पहुंचा सकते हैं। ऐसे में हाथ और पैर में झनझनाहट और सुन्नता हो सकती है। बता दें कि अल्होकल के अधिक सेवन के परिणामस्वरूप भी हाथ-पैर में सुन्नता आ सकती है। वहीं कुछ दवाओं के साइड इफेक्ट के रूप में भी हाथ-पैर में सुन्नता की स्थिति देखने को मिलती है। कुल मिलाकर देखा जाए तो हाथ-पैर में सुन्नता आना, घातक बीमारियों का लक्षण हो सकता है, जिसे नजरअंदाज करना सेहत के साथ खिलवाड़ करने के समान है। इसलिए समय रहते इसकी मूल वजह की पहचान और उपचार जरूरी है। उम्मीद करते हैं कि सेहत से जुड़ी यह जानकारी आपके लिए उपयोगी साबित होगी।

जिम में क्यों आता है हार्ट अटैक?

आजकल जिम करते वक्त काफी लोगों को हार्ट अटैक आ रहा है। आइए एक्सपर्ट से समझते हैं इसका असली कारण क्या है। और इससे बचाव कैसे किया जा सकता है।

फिट रहने के लिए लोग आजकल जिम जाते हैं। घंटों जिम में पसीने बहाते हैं। लेकिन बीते कुछ दिनों से अक्सर यह खबर सुनने को मिलती है कि जिम में हार्ट अटैक आ गया। तो क्या स्वस्थ रहने की कोशिश जानलेवा साबित हो रही है। हर कोई इस सवाल का जवाब जानना चाहता है। खासकर युवाओं में डर का माहौल हो गया है। आइए जानते हैं, जिम में हार्ट अटैक क्यों आ रहा है।

जिम में क्यों आ रहा है हार्ट अटैक?

एक्सपर्ट बताते हैं कि अक्सर हमें लगता है की हेवी एक्सरसाइज से दिल पर दवाब पड़ता है और दिल का दौरा पड़ जाता है। लेकिन इसके लिए सिर्फ हेवी एक्सरसाइज जिम्मेदार नहीं है। इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं। आप डाइट कैसी ले रहे हैं। आप स्मोकिंग करते हैं, नींद कैसी है आपकी, आप पानी पीते हैं या नहीं। कुछ लोग तो स्टेरॉयड का इस्तेमाल करते हैं। और कुछ लोग जेनेटिक सिंड्रोम के चलते इसकी चपेट में आते हैं। ये सभी चीजें मिलकर आपके दिल पर असर डालती है।

- जिन लोगों की डाइट खराब है, कोलेस्ट्रॉल बढ़ा हुआ है। धमनियों में पहले से प्लाक जमा हो उनमें हेवी एक्सरसाइज के दौरान अचानक से ब्लड फ्लो बढ़न से हार्ट अटैक आ सकता है।
- कई बार कुछ लोगों का बीपी बढ़ा हुआ रहता है, और वो एक्सरसाइज करते हैं, तो इससे भी दिल पर दबाव पड़ता है।
- अगर आप 40 साल से अधिक के हैं या आपको हृदय रोग का पारिवारिक इतिहास रहता है, तो जिम जाने से पहले अपना चेकअप कराएं।
- हाइड्रेट रहें। अपने शरीर की सुनें। अगर छाती में दर्द या सांस में तकलीफ होती है, तो तुरंत एक्सरसाइज बंद कर दें।

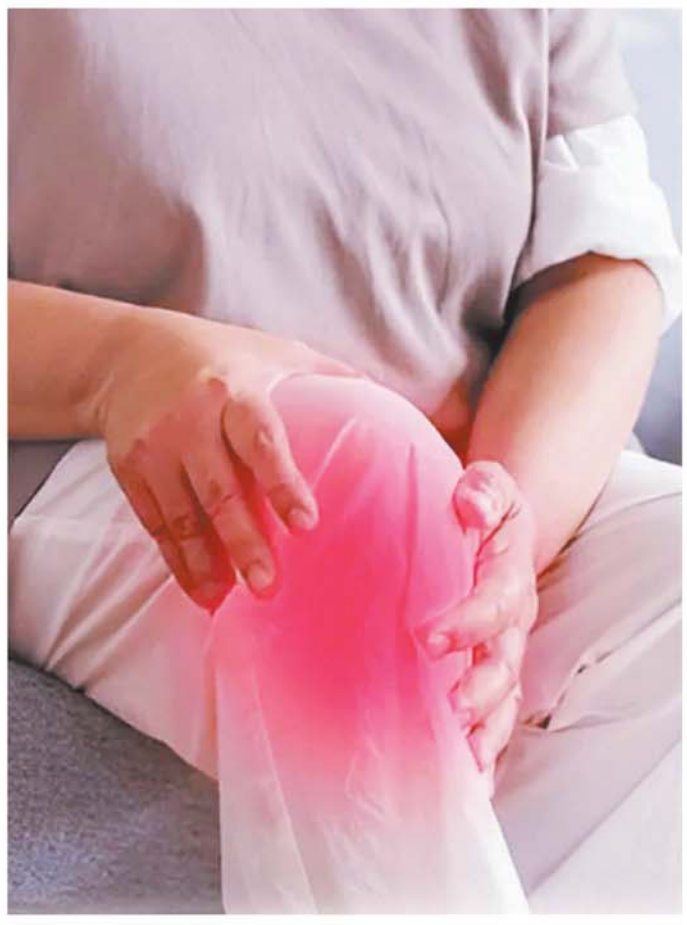

क्या आपके घुटने भी लॉक हो जाते हैं?

क्या आपको कभी ऐसा महसूस हुआ है कि चलते-फिरते या उठते-बैठते आपका घुटना अचानक से मुड़कर अटक गया हो और उसे सीधा करने में आपको जोर लगाना पड़ा हो या किसी की मदद लेनी पड़ी हो। लेकिन क्या आप जानती हैं कि मेडिकल रूप से इस शब्द का सही अर्थ क्या है?

क्या कभी आपके साथ ऐसा हुआ है कि आपका घुटना अचानक मुड़ा का मुड़ा रह गया हो और उसे सीधा करने के लिए आपको झटका देना पड़ा हो या किसी की मदद लेनी पड़ी हो? इस कंडीशन को मेडिकल भाषा में घुटने का लॉक होना कहते हैं। अक्सर लोग घुटनों से आने वाली आवाज या हल्के दर्द को भी लॉकिंग समझ लेते हैं, लेकिन डॉक्टर बताते हैं कि यह सही नहीं है। डॉक्टर का कहना है, जब हम कहते हैं कि घुटना लॉक हो गया, तब सबसे पहले यह समझना जरूरी है कि घुटना लॉक होने का असली मतलब क्या है। हम अक्सर ऐसे कई मरीज देखते हैं जो कहते हैं कि सर, हमारा घुटना लॉक हो गया है। लेकिन, वह किसी तरह की आवाज या हल्के दर्द या असुविधा को लॉकिंग समझ लेते हैं। असल में घुटना लॉक होने का मतलब यह होता है कि आपका घुटना मुड़ा का मुड़ा रह गया है और उसे सीधा करने के लिए आपको या तो हाथ से बल लगाना पड़ रहा है या फिर कोई झटका देना पड़ रहा है या किसी दूसरे व्यक्ति की मदद से उसे सीधा करना पड़ रहा है। इस कंडीशन को मेडिकली लॉकिंग कहते हैं।

घुटने लॉक होने के कारण

डॉक्टर समझाते हैं कि घुटने लॉक होने का सबसे आम कारण मैकेनिकल ऑब्स्ट्रक्शन होता है। इसका मतलब है कि घुटने के जोड़ के अंदर कोई बाहरी या ढीली चीज फंस जाती है, जिससे घुटने की नॉर्मल स्पीड रुक जाती है।

अब सवाल यह है कि यह लूज बॉडी या ढीली चीज आती कहां से है? यह लूज बॉडी आमतौर पर हमारे घुटने के जोड़ के अंदर मौजूद सॉफ्ट टिश्यूज या हड्डियों के छोटे टुकड़ों से बनती है।

मेनिस्कस का टूटना

घुटनों में मौजूद मेनिस्कस होता है, जो वॉशर या कुशन की तरह काम करता है। यह घुटने के जोड़ को स्थिरता देता है और झटकों को सहने में मदद करता है। जब किसी युवा का खेलकूद के दौरान या किसी चोट के कारण घुटने में मेनिस्कस को फट जाता है, तो इसका टूटा हुआ हिस्सा जोड़ के बीच में फंस सकता है। यह युवाओं में घुटने के लॉक होने का आम कारण है।

कार्टिलेज का टुकड़ा या अन्य ढीली वस्तु

जब लोग बढ़ती उम्र में घुटने में घिसाव का अनुभव करते हैं, तब घुटने के कार्टिलेज घिसने लगते हैं। इस घिसाव के कारण कार्टिलेज के छोटे-छोटे टुकड़े टूटकर घुटने के जोड़ के अंदर तैरने लगते हैं। ये छोटे टुकड़े या कोई और ढीली वस्तु जो घिसाव से जोड़ में आ जाती है, वह भी घुटने को लॉक कर सकती है।

लिगामेंट टियर

कई बार घुटने में लिगामेंट के फटने से घुटना लचकने लगता है, जैसे एसीएल टियर (एंटीरियर क्रूसिएट लिगामेंट) में घुटना अपनी जगह से थोड़ा हिल सकता है और यह भी मरीज को लॉकिंग जैसी कंडीशन दे सकता है, भले ही कोई चीज फंसी न हो। यह स्यूडो-लॉकिंग हो सकती है। एसीएल आपके घुटने के अंदर मौजूद एक ऐसा लिगामेंट है, जो आपकी जांघ की हड्डी को पिंडली की हड्डी से जोड़ता है और आपके घुटने को स्थिर रखता है। डॉक्टर यह बात दोहराते हैं कि घुटने के लॉक होने का मुख्य कारण मैकेनिकल ऑब्स्ट्रक्शन ही होता है, यानी कोई ऐसी ढीली चीज जो जोड़ के बीच में फंस रही हो और उसकी नॉर्मल स्पीड को रोक रही हो। यदि आप घुटने के लॉक होने की समस्या का अनुभव करते हैं, तो तुरंत ऑर्थोपेडिक सर्जन के पास जाएं, ताकि भविष्य में होने वाली किसी भी बड़ी समस्या से बचा जा सके।

संक्षिप्त समाचार

सीरिया और इस्राइल के बीच पेरिस में दुर्लभ बैठक

डमस्कस, एजेंसी। सीरिया की सरकारी समाचार एजेंसी ने बताया है कि सीरिया के विदेश मंत्री ने पेरिस में इस्राइल के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ एक दुर्लभ बैठक की है। समाचार एजेंसी सना के अनुसार, विदेश मंत्री असद अल-शिबानी ने मंगलवार को इस्राइली अधिकारियों से बातचीत की। दोनों पक्षों ने तनाव कम करने और 1974 के युद्धविराम समझौते को फिर से लागू करने पर चर्चा की। दिसंबर में सीरियाई राष्ट्रपति बशर अल-असद को सत्ता से हटाए जाने के बाद से सीरिया और इस्राइल के रिश्तों में तनाव काफी बढ़ गया है। इज़राइल ने दक्षिणी सीरिया में अपनी जमीनी सेना भेजी है और देशभर में कई सैन्य ठिकानों पर हवाई हमले किए हैं।

अमेरिकी न्याय विभाग अपराध के आंकड़ों में हेराफेरी की कर रहा जांच

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी न्याय विभाग ने इस बात की जांच शुरू कर दी है कि क्या वाशिंगटन डीसी के पुलिस अधिकारियों ने अपराध के आंकड़ों में हेराफेरी की है। यह जानकारी ऐसे व्यक्ति ने दी है जो जांच के बारे में जानता है, लेकिन उसे सार्वजनिक रूप से बोलने की अनुमति नहीं है। यह जांच उस समय हो रही है जब ट्रंप प्रशासन और वॉशिंगटन शहर की सरकार के बीच पुलिस विभाग पर नियंत्रण को लेकर राजनीतिक टकराव बढ़ रहा है। अभी यह साफ नहीं है कि अगर अपराध के आंकड़ों में हेरफेर हुआ तो वह किन संघीय कानूनों के खिलाफ होगा। मेयर कार्यालय ने इस पर कोई टिप्पणी करने से मना कर दिया। न्यूयॉर्क टाइम्स ने सबसे पहले इस जांच की खबर दी थी। वहीं, एनबीसी वॉशिंगटन ने बताया कि इस साल की शुरुआत में, अपराध के आंकड़ों से छेड़छाड़ के शक में मेट्रोपॉलिटन पुलिस विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी को सवेतन प्रशासनिक छुट्टी पर भेज दिया गया था।

उत्तरी कैरोलिना में कार गैस लाइन से टकराई, नए पशु अस्पताल में विस्फोट

रैलीघ, एजेंसी। उत्तरी कैरोलिना में मंगलवार सुबह (स्थानीय समयानुसार) एक नए पशु अस्पताल में विस्फोट हो गया। यह हादसा तब हुआ जब एक कार सड़क से फिसलकर अस्पताल की गैस पाइपलाइन से टकरा गई। विलमिंगटन पुलिस के प्रवक्ता ग्रेग विलेट ने बताया कि यह अस्पताल अभी निर्माणाधीन था। कार गैस लाइन से टकराने के करीब 20 मिनट बाद जोरदार विस्फोट हुआ। कार चालक मौके से भाग गया था, इसलिए इसे हिट एंड रन का मामला माना गया। दमकल विभाग की प्रवक्ता रेबेका थर्स्टन ने बताया कि हादसे के बाद इमारत तुरंत खाली करा ली गई थी। दमकलकर्मी यह सुनिश्चित करने के लिए अंदर जांच कर ही रहे थे कि सब लोग बाहर निकल चुके हैं, तभी विस्फोट हो गया। इसमें तीन दमकलकर्मी घायल हुए। दो को मामूली चोटें आईं, जबकि एक के हाथ और बाजू बुरी तरह झुलस गए। सभी को अस्पताल में भर्ती कराया गया।

दक्षिण सागर में चीन ने अपने ही युद्धपोत को मारी टक्कर

बीजिंग, एजेंसी। दक्षिण चीन सागर में अपना प्रभुत्व बढ़ाने के लिए चीन आक्रामक होकर अन्य देशों पर दबाव बढ़ा रहा है। इसी प्रयास में 11 अगस्त को फिलीपीन के जहाज का पीछा करने के दौरान चीन के दो युद्धपोत ही आपस में टकरा गए, जिसमें एक जहाज का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। चीन ने अब तक इस घटना को छिपाए रखा पर एक वीडियो के बाद उसकी पोल खुल गई। चीन को शर्मिंदा करने वाली यह घटना स्कारबोरो शोल से 10 समुद्री मील की दूरी पर हुई। स्कारबोरो शोल फिलीपीन के आर्थिक क्षेत्र में आता है, पर 2012 में चीन ने इस पर कब्जा कर लिया, जिसे लेकर दोनों नौसेनाओं में तनाव रहता है। 11 अगस्त को चीनी तटरक्षक बल का जहाज पीपुल्स लिबरेशन आर्मी नेवी के विध्वंसक से भिड़ गया।

एअर कनाडा का हड़ताल खत्म करने को संघ से समझौता

कनाडा , एजेंसी। एअर कनाडा के 10,000 फ्लाइट अटेंडेंट के संघ ने मंगलवार तड़के कहा कि हड़ताल खत्म करने को एक अस्थायी समझौता हो गया है। हाल ही में शुरू इस हड़ताल से प्रतिदिन लगभग 1.30 लाख यात्री प्रभावित हो रहे थे। संघ ने कहा, यह समझौता सदस्यों को विमानों के उड़ान भरने के दौरान किए गए काम के लिए भुगतान की गारंटी देगा। इस तरह एक प्रमुख मुद्दा हल हो गया है।

यूक्रेन पर नया रोड़ा: जेलेंस्की चाह रहे युद्धविराम ट्रंप-पुतिन रट रहे शांति समझौते का राग

वाशिंगटन, एजेंसी। एक हफ्ते के अंदर रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमीर जेलेंस्की से मुलाकात कर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी मंशा साफ कर दी है कि वह हर हाल में यूक्रेन युद्ध रोकना चाहते हैं लेकिन हफ्ते भर के अंदर हुई इन हाई प्रोफाइल मुलाकातों के दौरान ट्रंप ने युद्धविराम की बात करते-करते अब शांति वार्ता की राह पकड़ ली है। दरअसल, उनके स्टैंड में आए इस बदलाव के पीछे रूसी राष्ट्रपति पुतिन हैं, जो यूक्रेन के साथ युद्धविराम नहीं बल्कि शांति वार्ता चाहते हैं।

सोमवार को जब वाइट हाउस में सात यूरोपीय नेताओं के साथ ट्रंप से जेलेंस्की मिलने पहुंचे तो अमेरिकी राष्ट्रपति ने स्पष्ट शब्दों में यूक्रेन में युद्धविराम के अपने पुराने आह्वान यानी युद्धविराम को त्यागकर, पुतिन के स्थायी शांति समझौते के प्रयासों का समर्थन किया। हालाँकि, कुछ यूरोपीय नेताओं ने स्पष्ट तौर पर कहा है कि पहले अस्थायी युद्धविराम लागू किया जाए। **यूरोपीय देशों को क्या डर?** ऐसा भी नहीं है कि यूक्रेन और यूरोपीय सहयोगी देश क्षेत्र में शांति नहीं चाहते लेकिन वे समझ रहे हैं कि शांति वार्ता की आड़ में रूस जिस तरह का समझौता चाहता है, वह तब तक संभव नहीं है, जब तक कि वैश्विक व्यवस्था के सबसे बुनियादी सिद्धांत लागू न हों। कीव और उसके सहयोगियों का स्पष्ट मानना है कि कोई देश शांति वार्ता के नाम पर अपनी मनचाही चीज़ें बलपूर्वक ना तो पा सकता है और ना ही उसे नजरअंदाज करने दिया जा सकता है। दरअसल, कीव के यूरोपीय सहयोगी रूस द्वारा प्रचारित जोखिम उठाने को तैयार नहीं हैं, क्योंकि उन्हें भय है कि वे रूसी हमले का अगला निशाना बन सकते हैं। सोमवार को ओवल ऑफिस में यूक्रेनी राष्ट्रपति ज़ेलेंस्की और कई यूरोपीय नेताओं से बात करते हुए, ट्रम्प ने मॉस्को के तर्कों का समर्थन किया और सवाल किया कि अगर स्थायी और व्यापक शांति समझौता हो सकता है तो अस्थाई युद्धविराम की क्या जरूरत है? ऐसे में यह समझना जरूरी है कि दोनों

(युद्धविराम और शांति समझौता) में क्या बड़ा अंतर है?

क्या होता है युद्धविराम? युद्धविराम, दरअसल युद्ध के दौरान वैसी स्थिति है, जिसमें युद्धरत पक्ष लड़ाई बंद करने पर सहमत होते हैं और प्रत्येक पक्ष अपने सैन्य नियंत्रण वाले क्षेत्र पर कब्ज़ा बनाए रखता है। आम तौर पर यह माना जाता है कि यह विराम अस्थायी होता है और इस दौरान दोनों पक्ष आपसी बातचीत करते हैं या मानवीय सहायता पहुँचाने या नागरिकों को निकालने के अवसर के रूप में उस अवधि का इस्तेमाल करते हैं। युद्धविराम अल्पकालिक से दीर्घकालिक तक हो सकता है। जैसे 1914 का क्रिसमस युद्धविराम जो कुछ दिनों तक चला था। युद्धविराम के ऐसे भी उदाहरण हैं जो दशकों तक चले हैं। जैसे साइप्रस और तुर्की के बीच और भारत और पाकिस्तान के बीच दशकों से युद्धविराम लागू है, लेकिन इन देशों के बीच कोई स्थायी शांति समझौता नहीं हो सका है।

क्या होता है शांति समझौता? अंतर्राष्ट्रीय कानून के तहत, शांति समझौता एक औपचारिक, दीर्घकालिक संधि होती है जो दो देशों के बीच भविष्य के संबंधों को निर्धारित करती है। इसके तहत विरोधी देश पर कब्जे वाले क्षेत्र को पूर्ण या आंशिक तौर पर छोड़ने पर सहमति बनती है। यूक्रेन जंग में पुतिन और ट्रंप जो चाहते हैं, वह शांति समझौता है लेकिन उनकी शर्तें ऐसी हैं जो इसे जटिल बना देती हैं। विशेषज्ञ कहते हैं कि अंतर्राष्ट्रीय कानून का एक मूल सिद्धांत है जो संयुक्त राष्ट्र चार्टर में सबसे ऊपर अंकित है। इसके अनुसार, किसी भी पक्ष द्वारा बल प्रयोग पर पूरी तरह से प्रतिबंधित है। इसलिए इसका यह भी अर्थ है कि बल प्रयोग द्वारा प्राप्त की गई कोई भी संधि प्रभावी रूप से अवैध है।

शांति समझौते की राह में रोड़ा कहां? पिछले सप्ताह हुई ट्रंप और पुतिन की मुलाकात के दौरान शांति वार्ता के जिस रूप पर कथित तौर पर चर्चा हुई है, उस पर यूरोप और यूक्रेन को ऐतराज है। पुतिन अपनी कुछ ऐसी मांगों पर अड़े हुए हैं जो अड़चनें पैदा कर रही हैं। 'द गार्जियन' के अनुसार रूसी राष्ट्रपति ने कथित तौर पर अपने अमेरिकी समकक्ष से कहा कि वह डोनेट्स्क और लुहान्स्क पर पूर्ण नियंत्रण के बदले में सभी शत्रुताएँ समाप्त करने को तैयार हैं।

इलके अलावा क्रेमलिन ने युद्ध समाप्त करने और शांति समझौता करने के लिए जो शर्तें रखी हैं, उनमें यूक्रेन का नाटो में शामिल न होना, उसका विसैन्यीकरण और नाजी-मुक्ति, अन्य देशों द्वारा हथियारों के निर्यात पर रोक, तथा डोनेट्स्क, लुहांस्क, ज़ापोरीज्जिया और खेरसॉन के बहुसंख्यक रूसी भाषी क्षेत्रों को क्षेत्रीय रियायतें देना, तथा क्रीमिया को रूस का हिस्सा मानने की अंतर्राष्ट्रीय मान्यता शामिल है। माना जा रहा है कि इन शर्तों पर संयुक्त राष्ट्र चार्टर के मुताबिक शांति समझौता होना मुश्किल है।

रिटायर्ड फायर इंस्पेक्टर मार्क वॉरेन को पुतिन ने गिफ्ट की 22 लाख की बाइक

मास्को, एजेंसी। अलास्का के रहने वाले रिटायर्ड फायर इंस्पेक्टर मार्क वॉरेन अचानक अंतरराष्ट्रीय सुर्खियों में आ गए हैं। दरअसल, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने उन्हें 22,000 डॉलर करीब 18 लाख रुपये की नई उरल मोटरसाइकिल उपहार में दी है। 9 अगस्त को एंकोरेज में हुए पुतिन-ट्रंप शिखर सम्मेलन की कवरेज के दौरान रूस के टीवी चैनल ऋभ्ह्यह्यद्ब4ड्ड 1 की टीम ने वॉरेन से बातचीत की थी। इस दौरान उन्होंने अपनी पुरानी उरल मोटरसाइकिल दिखाते हुए कहा कि प्रतिबंधों के कारण उन्हें पार्ट्स नहीं मिल पा रहे हैं और गलती से यह भी कह दिया कि इसकी फैक्ट्री यूक्रेन में है। उनका यह बयान रूस में वायरल हो गया और कुछ ही दिनों बाद पुतिन ने उन्हें नई बाइक भेंट कर दी। 15 अगस्त को एंकोरेज स्थित लेकफ्रंट होटल की पार्किंग में रूसी दूतावास के अधिकारी आंद्रेई लेदेनेव ने वॉरेन को नई मोटरसाइकिल की चाबी सौंपी। लेदेनेव ने कहा, ÷यह राष्ट्रपति पुतिन की ओर से व्यक्तिगत उपहार है।÷ रूसी टीवी चैनलों पर वॉरेन को नई मोटरसाइकिल चलाते हुए भी दिखाया गया। **कौन हैं मार्क वॉरेन?** मार्क वॉरेन जीवनभर अलास्का में रहे और मोटरसाइकिलों के शौकीन हैं। अक्सर अपनी पोती के साथ सवारी करते हैं। पुरानी उरल उन्होंने एक पड़ोसी से खरीदी थी। रूसी मीडिया ने उन्हें पश्चिमी प्रतिबंधों के शिकार साधारण अमेरिकी नागरिक के रूप में पेश किया। हालांकि, उरल मोटरसाइकिल कंपनी ने स्पष्ट किया कि उसका मुख्यालय अब अमेरिका के वॉशिंगटन में है और उत्पादन 2022 में कजाकिस्तान ट्रांसफर कर दिया गया था। सोशल मीडिया पर कुछ लोगों ने पुतिन की इस पहल को कूटनीति का नया अंदाज बताया। वहीं आलोचकों ने इसे क्रेमलिन की प्रचार रणनीति कहा। आलोचकों ने यह भी याद दिलाया कि पुतिन पर अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय (ढ्ढष्टष्ट) ने युद्ध अपराधों के मामले में वारंट जारी कर रखा है। **वॉरेन का जवाब** वॉरेन ने विवाद को नजरअंदाज करते हुए कहा, ÷मैंने बहुतों को नाराज कर दिया, लेकिन मुझे परवाह नहीं। ये बाइक शानदार है। उन्होंने यह भी साफ किया कि वह किसी भी तरह से क्रेमलिन के एजेंडे का हिस्सा नहीं हैं। वॉरेन ने कहा, उन्हें मुझसे कुछ नहीं मिलेगा।÷ वॉरेन अब अपनी पुरानी बाइक बेचने की योजना बना रहे हैं। उनके लिए यह नई मोटरसाइकिल बस एक बेहतर सवारी है।

चीनी कंपनी टिकटॉक पर दिखेंगे डोनाल्ड ट्रंप, वाइट हाउस का ऑफिसियल अकाउंट शुरू

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का चीन के प्रति प्रेम एक बार फिर सामने आया है। चीन से लगाव रखने और भारत पर टैरिफ लगाने वाले ट्रंप अब टिकटॉक पर दिखाई देंगे। दरअसल, वाइट हाउस (अमेरिका के राष्ट्रपति का आधिकारिक निवास और कार्यालय) ने मंगलवार को टिकटॉक पर अपना अकाउंट शुरू किया। यह कदम तब उठाया गया जब अमेरिका में टिकटॉक के भविष्य और वैधता पर गंभीर सवाल उठते रहे हैं। इस लोकप्रिय वीडियो शेयरिंग ऐप पर अपनी पहली पोस्ट में वाइट हाउस ने 27 सेकंड का एक क्लिप साझा किया और कैप्शन में लिखा कि अमेरिका हम वापस आ गए हैं। **क्या टिकटॉक अमेरिका में चल रहा है?** वीडियो पोस्ट करने के कुछ ही घंटों में अकाउंट पर पांच हजार से अधिक फॉलोअर्स हो गए। दूसरी ओर टिकटॉक पर डोनाल्ड ट्रंप के निजी अकाउंट पर 110.1 मिलियन फॉलोअर्स हैं।

उनकी आखिरी पोस्ट 5 नवंबर, 2024 को की गई थी, जिस दिन अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव के लिए मतदान हुआ था। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या टिकटॉक अमेरिका में चल रहा है? बता दें कि डोनाल्ड ट्रंप का टिकटॉक के साथ प्रेम और नफरत का रिश्ता है। नफरत की वजह यह है कि टिकटॉक एक चीनी कंपनी है, और ट्रंप नहीं चाहते कि अमेरिकी नागरिकों का डेटा चीन जाए। ट्रंप ने एक कानून बनाया है। इस कानून के तहत टिकटॉक को अमेरिका में चलने के लिए किसी गैर-चीनी कंपनी को बेचना होगा, वरना उस पर प्रतिबंध लगाया जाएगा। **टिकटॉक को किसी गैर-चीनी कंपनी ने नहीं खरीदा** हालांकि, अभी तक टिकटॉक को किसी गैर-चीनी कंपनी ने नहीं खरीदा, फिर भी यह अमेरिका में चल रहा है। टिकटॉक का स्वामित्व चीन की इंटरनेट कंपनी बाइटडांस के पास है। राष्ट्रीय सुरक्षा के आधार पर टिकटॉक की बिक्री या प्रतिबंध से संबंधित एक कानून 20 जनवरी को लागू होने वाला था, उसी दिन ट्रंप ने दूसरी बार राष्ट्रपति पद संभाला था। लेकिन ट्रंप को सोशल मीडिया से गहरा लगाव है। उनका 2024 का चुनावी अभियान सोशल मीडिया पर काफी हद तक निर्भर था। **सितंबर में समाप्त होने वाली है राहत** उन्होंने स्पष्ट कहा है कि वह टिकटॉक के शौकीन हैं और उन्होंने अमेरिका में इस पर प्रतिबंध लगाने की प्रक्रिया को रोक दिया। जून में ट्रंप ने टिकटॉक के लिए गैर-चीनी खरीदार खोजने या अमेरिका में प्रतिबंधित होने की समय सीमा को 90 दिनों के लिए बढ़ा दिया। यह राहत सितंबर में समाप्त होने वाली है।

अफगानिस्तान में बस की हुई ट्रक और मोटर–साइकिल से भीषण टक्कर, 71 लोगों की मौत

काबुल, एजेंसी। अफगानिस्तान के हेरात प्रांत में मंगलवार को एक दिल दहलाने वाला रोड एक्सीडेंट हुआ। यह भीषण रोड एक्सीडेंट उस समय हुआ जब ईरान से लौटे प्रवासी अफगान नागरिकों को ले जा रही एक यात्री बस की एक मोटरसाइकिल और फिर एक फ्यूल से भरे ट्रक से टक्कर हो गई। टक्कर के बाद बस में आग लग गई। यह रोड एक्सीडेंट हेरात शहर के बाहर गुजारा जिले में हुआ। बस में सवार यात्री हाल ही में ईरान से निर्वासित किए गए अफगान नागरिक थे, जो इस्लाम कला बॉर्डर क्रॉसिंग से काबुल की ओर जा रहे थे। **71 लोगों की मौत-** इस भीषण रोड एक्सीडेंट में 71 लोगों की मौत हो

गई। मरने वालों में 17 बच्चे भी शामिल थे। मरने वालों में ट्रक और मोटरसाइकिल पर सवार 2-2 लोग भी शामिल थे। **हादसे का कारण और आग लगना-** प्रांतीय सरकार के प्रवक्ता अहमदुल्लाह मुत्ताकी ने बताया कि हादसा हेरात शहर के बाहर गुजारा जिले में बस की अत्यधिक गति और लापरवाही के कारण हुआ. बस पहले मोटरसाइकिल से टकराई और फिर ईंधन से भरे ट्रक से टकराने के बाद आग लग गई. पुलिस ने बताया कि बस में सवार सभी यात्री प्रवासी थे जिन्होंने इस्लाम कला बॉर्डर से यात्रा शुरू की थी. तीन यात्री हादसे से जीवित बचे, जबकि ट्रक और मोटरसाइकिल पर सवार चार लोग भी मृतकों में शामिल हैं. स्नक्कके एक पत्रकार ने हादसे के बाद सड़क पर जलती हुई बस और अन्य दो वाहनों के क्षतिग्रस्त अवशेष देखे।**अफगानिस्तान में सड़क हादसों की बढ़ती समस्या-** बीबीसी के अनुसार, अफगानिस्तान में सड़क हादसे आम हैं. इसके मुख्य कारण दशकों के संघर्ष के बाद खराब सड़कें, हाईवे पर खतरनाक ड्राइविंग और नियमों का कड़ाई से पालन न होना हैं. पिछले साल दिसंबर में केंद्रीय अफगानिस्तान में ईंधन टैंकर और ट्रक से जुड़े दो हादसों में कम से कम 52 लोग मारे गए थे. **ईरान से लौट रहे प्रवासी और संकट-** हाल के महीनों में ईरान की दबाव नीति के कारण लाखों अफगानी प्रवासी देश लौट रहे हैं. संयुक्त राष्ट्र प्रवासन एजेंसी के अनुसार, इस साल अब तक ईरान और पाकिस्तान से 1.6 मिलियन से अधिक लोग लौट चुके हैं. ईरान में प्रवासियों के खिलाफ बढ़ती नफरत और भेदभाव ने हालात को और जटिल बना दिया है।

नेपाल: सत्तारूढ़ गठबंधन की उप-सभापति को हटाने की तैयारी शुरू

काठमांडू, एजेंसी। नेपाली कांग्रेस और सीपीएन-यूएमएल (नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी-एकीकृत मार्क्सवादी लेनिनवादी) का नेपाली सत्तारूढ़ गठबंधन उपसभापति इंदिरा राणा मगर को हटाने के लिए एक और प्रयास करने की तैयारी में है।

दोनों दलों के नेताओं के अनुसार, उपसभापति मगर को हटाने के लिए आपात बैठक बुलाई गई है। पीएम ओली ने ने भी उन्हें कमजोर और पक्षपातपूर्ण प्रदर्शन वाला बताया है। सत्तारूढ़ गठबंधन ने उपसभापति को पद से हटाने के लिए हस्ताक्षर संग्रह अभियान भी शुरू कर दिया है। सत्तापक्ष के कुछ सांसदों ने पहले ही हस्ताक्षर कर उन्हें पद से हटाने के लिए अपना समर्थन जताया है।

संविधान के अनुसार उपसभापति को पद से हटाने के लिए दो तिहाई बहुमत जरूरी होता है। ऐसे में गठबंधन के नेता इंदिरा राणा को हटाने के लिए छोटे दलों के साथ भी परामर्श कर रहे हैं। प्रतिनिधि सभा में फिलहाल 274 सदस्य हैं और सत्तारूढ़ गठबंधन को 183 वोटों की जरूरत है।

व्हाइट हाउस ने बताया राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत पर क्यों लगाया प्रतिबंध

वॉशिंगटन, एजेंसी। व्हाइट हाउस प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने मंगलवार को कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने साफ कर दिया है कि यूक्रेन की जंग में अमेरिकी सैनिकों को सीधे मैदान में नहीं भेजा जाएगा। उन्होंने कहा कि अमेरिका सुरक्षा गारंटी देने के दूसरे रास्तों पर विचार कर रहा है, जिनमें हवाई मदद भी शामिल हो सकती है।

सैनिक नहीं जाएंगे, लेकिन मदद जारी रहेगी- कैरोलिन लेविट ने प्रेस ब्रीफिंग में आगे कहा, %राष्ट्रपति ने साफ कहा है कि अमेरिकी सैनिक यूक्रेन की जमीन पर कदम नहीं रखेंगे। लेकिन अमेरिका यूरोपीय सहयोगियों के साथ मिलकर अन्य सुरक्षा विकल्प उपलब्ध कराने पर विचार करेगा। सुरक्षा गारंटी स्थायी शांति के लिए बेहद जरूरी हैं और इसी दिशा में राष्ट्रपति ने अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा टीम को काम करने का निर्देश दिया है। **हवाई सुरक्षा विकल्प भी खुले- कैरोलिन लेविट-** वहीं जब पत्रकारों ने पूछा कि क्या हवाई मदद भी सुरक्षा गारंटी का हिस्सा हो सकती है, इस पर कैरोलिन लेविट ने कहा, %यह विकल्प भी खुला है। मैं कुछ खारिज नहीं करूंगी। राष्ट्रपति के पास तमाम सैन्य विकल्प मौजूद हैं। लेकिन एक बात तय है- अमेरिकी सैनिक जमीनी स्तर पर यूक्रेन में नहीं जाएंगे।

नाटो से हथियार खरीदेगा यूक्रेन- इस दौरान पत्रकारों ने जब अमेरिकी टैक्सपेयर्स के पैसे की चिंता जताई, तो व्हाइट हाउस प्रेस सचिव ने कहा कि ट्रंप ने नया फार्मूला निकाला है। राष्ट्रपति अमेरिकी करदाताओं का बोझ नहीं बढ़ाना चाहते। इसलिए उन्होंने समाधान दिया कि नाटो अमेरिकी हथियार खरीदे और उसे यूक्रेन को उपलब्ध कराए। अमेरिकी हथियार दुनिया में सबसे बेहतरीन हैं। इसी से यूक्रेन की जरूरत पूरी की जाएगी। **ट्रंप-पूतिन-जेलेंस्की संवाद की कोशिश-**कैरोलिन लेविट ने कहा कि ट्रंप ने रूस और यूक्रेन के बीच सीधी बातचीत शुरू कराने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। राष्ट्रपति ट्रंप ने पिछले हफ्ते राष्ट्रपति पुतिन से मुलाकात की और दर्जनों बार राष्ट्रपति जेलेंस्की से फोन पर बात की। उनकी कोशिश से दोनों देशों के

बीच वर्षों बाद बातचीत शुरू हुई है। ट्रंप का मानना है कि कोई भी शांति समझौता तभी सफल होगा, जब दोनों देशों को थोड़ा-थोड़ा त्याग करना पड़े। %राष्ट्रपति हमेशा कहते हैं कि अच्छी डील में दोनों पक्ष थोड़े असंतुष्ट रहते हैं। यही स्थायी समाधान का रास्ता है।

भारत पर भी लगाए गए ट्रंप के प्रतिबंध- इस मौके पर कैरोलिन लेविट ने बताया कि राष्ट्रपति ट्रंप ने रूस पर दबाव बनाने के लिए भारत पर भी टैरिफ बढ़ाया है। उन्होंने कहा, %राष्ट्रपति ने भारत पर 25त्न अतिरिक्त शुल्क लगाकर कुल 50त्न टैरिफ कर दिया है। इसका मकसद रूस पर द्वितीयक दबाव डालना है, ताकि वह युद्ध रोकने पर मजबूर हो। **अगर ट्रंप पहले होते तो युद्ध शुरू ही न होता-**इस दौरान कैरोलिन लेविट ने दोहराया कि राष्ट्रपति ट्रंप मानते हैं कि अगर वे पहले से सत्ता में होते तो रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू ही नहीं होता। उन्होंने दावा किया कि खुद पुतिन ने भी यह बात स्वीकार की है। व्हाइट हाउस की तरफ से कहा गया है कि राष्ट्रपति ट्रंप यूरोपीय नेताओं और नाटो से लगातार चर्चा कर रहे हैं ताकि युद्ध खत्म हो और स्थायी शांति सुनिश्चित की जा सके।

भारत-पाकिस्तान शांति का दावा भी किया-वहीं राष्ट्रपति ट्रंप की तरह कैरोलिन लेविट ने प्रेस वार्ता में यह भी कहा कि ट्रंप ने पहले भी कई जगह शांति स्थापित करवाई है। उन्होंने ये भी दावा किया कि राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत और पाकिस्तान के बीच शांति समझौता कराया था, जो परमाणु युद्ध को रोकने में मददगार साबित हुआ।

फाइनल में स्वियातेक-रूड की जोड़ी को हराया

इरानी-वावसोरी फिर बने अमेरिकी ओपन मिश्रित युगल चैंपियन

न्यूयॉर्क एजेंसी। सारा इरानी और एंड्रिया वावसोरी ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए बुधवार की रात को खेले गए एक कड़े फाइनल में जीत दर्ज करके अमेरिकी ओपन टेनिस टूर्नामेंट में अपना मिश्रित युगल खिताब बरकरार रखा।इटली की इस जोड़ी ने फाइनल में इगा स्वियातेक और कैस्पर रूड को 6-3, 5-7 (10-6) से हराया। इस तरह से उन्होंने दो दिनों में चार मैच जीतकर 10 लाख डॉलर की इनामी राशि हासिल की जो पिछले साल उन्हें मिली पुरस्कार राशि से कहीं अधिक है। इरानी और वावसोरी उन कई खिलाड़ियों में शामिल थे जिन्होंने पहले इस नए प्रारूप की आलोचना की थी लेकिन चैंपियन बनने के बाद उनके चेहरे पर मुस्कान थी और उन्होंने दर्शकों का भी आभार व्यक्त किया।वावसोरी ने कहा, मुझे लगता है कि इतने सारे दर्शकों के सामने इस कोर्ट में खेलना अद्भुत था और मैं इस माहौल के लिए तहे दिल से शुक्रिया अदा करना चाहता हूं। इससे पहले स्वियातेक और रूड की तीसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी ने पहले सेमीफाइनल में टाईब्रेकर में शीर्ष वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला और जैक ड्रैपर को 3-5, 5-3, 10-8 से हराया।इसके बाद दूसरे सेमीफाइनल में इरानी और वावसोरी ने डेनियल कोलिन्स और क्रिश्चियन हैरिसन को 4-2, 4-2 से पराजित किया। अमेरिकी ओपन में एकल मुकाबले 24 अगस्त से शुरू होंगे।

सिंकफील्ड कप में गुकेश और प्रज्ञानंद ने अपनी अपनी बाजियां ड्रॉ खेली, देखें किसका क्या हाल

सेंट लुई, विश्व चैंपियन डी गुकेश को यहां सिंकफील्ड कप शतरंज टूर्नामेंट के तीसरे दौर में अमेरिका के वाइल्ड कार्डधारी सैमुअल सेवियन ने ड्रॉ पर रोका, जबकि उनके साथी भारतीय खिलाड़ी आर प्रज्ञानंद ने भी उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव से अंक बांटे। प्रज्ञानंद ने लगातार दूसरी बाजी ड्रॉ खेली लेकिन इसके बावजूद वह अमेरिका के फैबियानो कारुआना और अर्मेनियाई से अमेरिकी बने लेवोन अरोनियन के साथ संयुक्त बढ़त बनाए हुए हैं। दिन की एकमात्र निर्णायक बाजी में कारुआना ने फ्रांस के अलीरेजा फिरोजा को टूर्नामेंट में पहली हार का स्वाद चखाया। अरोनियन को फ्रांस के मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव ने ड्रॉ पर रोका, जबकि एक अन्य अमेरिकी वेस्ली सो ने पोलैंड के डूडा जान-क्रिज्सटॉफ के साथ अंक बांटे।

रणजी से पहले मुंबई की टीम को झटका, रहाणे ने कप्तानी छोड़ी

मुंबई, एजेंसी। लंबे घरेलू सत्र से पहले मुंबई क्रिकेट और उसके फैंस के लिए झटका देने लायक खबर सामने आई है। अनुभवी बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे ने आगामी रणजी ट्रॉफी सीजन से पहले कप्तानी पद से इस्तीफा दे दिया है। सोशल मीडिया पर दिए संदेश में रहाणे ने स्पष्ट किया कि यह वह समय है जब टीम में नए नेतृत्व को विकसित करने का मौका मिलना चाहिए।

रहाणे ने लिखा, मुंबई टीम का नेतृत्व करना और टूर्नामेंट जीतना मेरे लिए एक बहुत बड़ा सम्मान था। अब जब एक नया घरेलू सत्र शुरू होने वाला है और मुझे लगता है कि नई जिम्मेदारियों के लिए नई कप्तानी को तैयार करना जरूरी है। इसलिए मैंने कप्तानी छोड़ने का निर्णय लिया है। मैं बल्लेबाज के रूप में पूरी तरह प्रतिबद्ध हूं और मुंबई की ओर से खेलना जारी रखूंगा, ताजा ट्रॉफी जीतने का लक्ष्य है।

कप्तानी में उनकी उपलब्धियां

रहाणे की कप्तानी में मुंबई ने घरेलू क्रिकेट में स्थिरता और सफलता हासिल की। उनके नेतृत्व में मुंबई ने 2023-24 में रणजी ट्रॉफी जीतकर सात साल का सूखा खत्म किया था। इसके अलावा, उन्होंने 2024-25 में ईरानी कप और 2022-23 में सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में भी टीम को जीत दिलाई। इन जीतों ने उनकी कप्तानी को एक नई ऊंचाई दी।

अब कौन होगा कप्तान

मुंबई टीम के पास अब सूर्यकुमार यादव, श्रेयस अय्यर, यशस्वी जइसवाल और सरफराज खान जैसे खिलाड़ियों का समूह मौजूद है, जिनमें नेतृत्व क्षमता भी है। यह कदम आने वाले समय के लिए टीम को नई दिशा देने वाला माना जा रहा है। श्रेयस इस रेस में सबसे आगे माने जा रहे हैं।

14,000 से ज्यादा रन बनाए

कप्तानी छोड़ने के बावजूद, 37 वर्षीय इस खिलाड़ी ने, जिन्होंने 201 प्रथम श्रेणी मैचों में 14,000 से ज्यादा रन बनाए हैं, स्पष्ट किया कि वह संन्यास नहीं ले रहे हैं। वह सभी प्रारूपों में बल्लेबाज के रूप में मुंबई का प्रतिनिधित्व करते रहेंगे। रहाणे ने बताया कि वह टीम के लिए एक बल्लेबाज की भूमिका में, पूरे जोश और प्रतिबद्धता के साथ अपना कार्य करेंगे। उनका मूल लक्ष्य टीम को सफलता दिलाना और नए कप्तान के निर्माण में सहयोग देना है।

केकेआर के कप्तान बने रहेंगे

रहाणे ने आईपीएल 2025 में आखिरी बार प्रतिस्पर्धी क्रिकेट खेला था। उस टूर्नामेंट में उन्होंने 13 मैचों में 390 रन बनाए थे। मुंबई की कप्तानी छोड़ने के उनके फैसले के साथ, यह भी सवाल उठने लगा है कि क्या केकेआर उन्हें अगले सीजन के लिए कप्तान बनाए रखेगा? आगामी रणजी ट्रॉफी सीजन 15 अक्तूबर से शुरू हो रहा है, जिसमें मुंबई की टीम अपने पहले मैच में जम्मू-कश्मीर से भिड़ेगी।

रेड्डी ने विराट के साथ बिताए अपने खास पल का किया खुलासा

नितीश कुमार रेड्डी भारतीय क्रिकेट में तेजी से आगे बढ़े और जल्द ही उन्हें टी20 और टेस्ट कैप मिल गई। उन्होंने बांग्लादेश के खिलाफ अपनी पहली टी20 सीरीज में अच्छा प्रदर्शन किया और ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट सीरीज में भी प्रभावशाली प्रदर्शन किया। ऑस्ट्रेलिया में इस ऑलराउंडर ने विराट कोहली के साथ खेला, जो अंतत: दिल्ली के इस महान बल्लेबाज की आखिरी टेस्ट सीरीज साबित हुई। नितीश रेड्डी को विराट कोहली से अपनी पहली टेस्ट कैप मिली और अब आंध्र प्रीमियर लीग के दौरान एक साक्षात्कार में नितीश रेड्डी ने कहा कि यह उनके आदर्श के साथ उनका सबसे खास पल है। भीमावरम बुल्स के कप्तान भी विराट कोहली के साथ बल्लेबाजी कर रहे थे, जब उन्होंने एडिलेड में अपना आखिरी टेस्ट शतक बनाया था और इसे एक और खास पल बताया। बातचीत के दौरान उन्होंने कहा, विराट भैया ने मुझे जो टेस्ट डेब्यू कैप दी थी, वह मेरे लिए एक बेहद खास पल था और एक और खास पल, विराट भैया का आखिरी टेस्ट शतक मैं उन्हें देखने के लिए नॉन-स्ट्राइकर एंड पर मौजूद था। इस तरह नितीश रेड्डी ने एक बार फिर विराट कोहली के प्रति अपने प्यार का इजहार किया है। इससे पहले भी इस ऑलराउंडर ने विराट कोहली के प्रति अपने लगाव का इजहार किया है और कहा है कि पूर्व भारतीय कप्तान और आरसीबी सुपरस्टार के साथ खेलना उनका सपना था। नितीश रेड्डी अब उम्मीद कर रहे होंगे कि वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपनी अच्छी शुरुआत को आगे बढ़ाएं और लंबे समय तक देश की सेवा करें। वह हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ हुई टेस्ट सीरीज में भारतीय टीम का हिस्सा थे, लेकिन चोटिल हो गए।

रोहित मैदान पर वापसी को बेकरार

इस टीम के खिलाफ जलवा बिखेरते आ सकते हैं नजर

मुंबई, एजेंसी। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का खिताब टीम इंडिया को दिलाने वाले कप्तान रोहित शर्मा की नीली जर्सी में वापसी का बेसब्री से इंतजार क्रिकेट प्रेमियों को है। चैंपियंस ट्रॉफी के बाद से रोहित शर्मा ने कोई भी अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला है। लेकिन अब उनकी टीम इंडिया में वापसी की संभावना ऑस्ट्रेलिया दौरे (19 अक्टूबर से) के दौरान दिखाई दे रही है। हालांकि, रोहित शर्मा इस दौरे से पहले ही एक खास सीरीज में हिस्सा लेने की इच्छा जता चुके हैं, जो कानपुर में खेली जाएगी।

ऑस्ट्रेलिया-ए के खिलाफ खेलने की इच्छा

टीम इंडिया का ऑस्ट्रेलिया दौरा 19 अक्टूबर से शुरू हो रहा है, जिसमें भारतीय टीम 3 वनडे और 5 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलेगी। इस वनडे सीरीज के लिए टीम में रोहित शर्मा और विराट कोहली के शामिल होने की संभावना है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, रोहित शर्मा ने ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले 30 सितंबर से 5 अक्टूबर तक ऑस्ट्रेलिया-ए के खिलाफ कानपुर में होने वाली अनऑफिशियल वनडे सीरीज में खेलने की इच्छा जताई है। ऑस्ट्रेलिया-ए सितंबर में भारत दौरे पर आएगी, जहां वे भारत-ए टीम के साथ दो अनऑफिशियल टेस्ट और तीन वनडे मैच खेलेंगी। दोनों टेस्ट मैच लखनऊ में आयोजित होंगे, जबकि तीनों वनडे मैच कानपुर में खेले जाएंगे।

विजय हजारे ट्रॉफी में भी खेलेंगे रोहित

रिपोर्ट्स में यह भी बताया गया है कि रोहित शर्मा इस अनऑफिशियल वनडे सीरीज में खेलने के इच्छुक हैं ताकि वे ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए अच्छी तैयारी कर सकें। इसके अलावा खबरें हैं कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी वनडे सीरीज उनके वनडे करियर की आखिरी सीरीज हो सकती है। बीसीसीआई रोहित को दिसंबर 2025 में शुरू होने वाली विजय हजारे ट्रॉफी में खेलने के लिए भी प्रोत्साहित कर सकता है, ताकि वे वनडे टीम में अपनी जगह बनाए रखें।

वनडे में रोहित शर्मा का शानदार रिकॉर्ड

टीम इंडिया के स्टार बल्लेबाज रोहित शर्मा का वनडे रिकॉर्ड बेहद प्रभावशाली है। अब तक उन्होंने 273 वनडे मैच खेले हैं, जिनमें 265 पारियों में 48.76 की औसत से 11,168 रन बनाए हैं। इसमें उनके 32 शतक और 58 अर्धशतक शामिल हैं। रोहित का सर्वश्रेष्ठ स्कोर 264 रन है, जो वनडे इतिहास के सर्वाधिक व्यक्तिगत स्कोर में से एक है।

सुनील गावस्कर ने की एशिया कप में प्लेइंग-11 की भविष्यवाणी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज और कमेंटेटर सुनील गावस्कर ने एशिया कप 2025 के लिए अपनी पसंदीदा भारतीय प्लेइंग इलेवन चुनी है। उनकी इस टीम में कुछ चौंकाने वाले नाम हैं, जबकि कुछ विस्फोटक हीटर्स को जगह नहीं दी गई। गावस्कर का यह चयन क्रिकेट फैंस और विशेषज्ञों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। गावस्कर की यह प्लेइंग-11 अनुभव और नए टैलेंट का मिश्रण है। जहां टॉप ऑर्डर में आक्रामक बल्लेबाज मौजूद हैं, वहीं गेंदबाजी अटैक में विविधता देखने को मिलती है। गेंदबाजी भी मजबूत दिख रही है।

गावस्कर ने प्लेइंग-11 में ओपनिंग से संजू सैमसन को हटाया है। उन्होंने अभिषेक शर्मा और उपकप्तान शुभमन गिल को इसकी जिम्मेदारी सौंपी है। तीसरे और चौथे नंबर पर तिलक वर्मा और कप्तान सूर्यकुमार यादव को बल्लेबाजी की जिम्मेदारी दी गई है। हालांकि, गावस्कर ने चौंकाते हुए संजू सैमसन को पांचवें स्थान पर बतौर विकेटकीपर खिलाया है। यह एक ऐसा पोजिशन है, जहां सैमसन ने सिर्फ पांच पारियां खेली हैं और 62 रन बनाए हैं। जितेश शर्मा को न चुनकर गावस्कर ने चौंकाया है, क्योंकि पांचवें या इससे नीचे के पोजिशन पर मैच फिनिश सैमसन से बेहतर जितेश करते दिख सकते हैं।

वहीं, उन्होंने ऑलराउंडर की भूमिका में हार्दिक पांड्या और अक्षर पटेल को चुना है। आश्चर्य की बात यह है कि इस टीम में दोनों विशेषज्ञ स्पिनरों को खिलाया गया है। तेज गेंदबाजी विभाग में गावस्कर ने जसप्रीत बुमराह और अर्शदीप सिंह को जिम्मेदारी सौंपी है तो स्पिन की जिम्मेदारी कुलदीप यादव और वरुण चक्रवर्ती के कंधों पर सौंपी है। हालांकि, गावस्कर की इस प्लेइंग-11 में तीन तेज गेंदबाज और तीन स्पिनर्स दिख रहे हैं और टीम संतुलित दिख रही है। इसके अलावा अभिषेक शर्मा और तिलक वर्मा भी पार्ट टाइम स्पिन कर सकते हैं।

गावस्कर की चुनी हुई XI

- अभिषेक शर्मा
- शुभमन गिल (उप-कप्तान)
- तिलक वर्मा
- सूर्यकुमार यादव (कप्तान)
- संजू सैमसन (विकेटकीपर)
- हार्दिक पंड्या
- अक्षर पटेल
- अर्शदीप सिंह
- जसप्रीत बुमराह
- वरुण चक्रवर्ती
- कुलदीप यादव

इन्हें नहीं मिली जगह

गावस्कर ने साफ कहा कि कुछ खिलाड़ियों के लिए यह चयन आसान नहीं रहने वाला है। उन्होंने कहा, शिवम दुबे, जितेश शर्मा, हर्षित राणा और रिंकू सिंह जैसे खिलाड़ियों के लिए यह मुश्किल होगा, लेकिन यही हकीकत है। गावस्कर ने टीम में युवा और अनुभवी खिलाड़ियों का संतुलन साधने की कोशिश की है।

पाकिस्तान की टीम की तरह उसका कप्तान भी फिसड्डी, सवालों के घेरे में सलमान आगा की कप्तानी

नई दिल्ली, एजेंसी। एशिया कप 2025 के लिए पाकिस्तान की टी20 टीम का एलान हो चुका है। नौ सितंबर से शुरू हो रहे इस टूर्नामेंट के लिए पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने टीम की कमान सलमान अली आगा को सौंपी है, जिनका टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर अब तक फ्लॉप ही रहा है। इस टीम में बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान जैसे स्टार खिलाड़ियों को शामिल नहीं किया गया है। माना जा रहा है कि पीसीबी ने दोनों को इस प्रारूप की रणनीति से साइडलाइन कर दिया है।

लय से बाहर चल रही टीम

पाकिस्तान के 17 सदस्यीय स्क्वॉड में अनुभवी और युवा खिलाड़ियों का मिश्रण है। हालांकि, टीम अभी लय से बाहर चल रही है। हाल ही में उन्हें बांग्लादेश दौरे पर तीन मैचों की टी20 सीरीज में मुंह की खानी पड़ी थी। इसके बाद टीम ने वापसी की और वेस्टइंडीज को तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में हराया। हालांकि, टी20 सीरीज की हार का बदला वेस्टइंडीज की टीम ने वनडे सीरीज में जीत के साथ लिया। ऐसे में पाकिस्तान का एशिया कप में सफर कैसा होगा, इस पर चर्चा तेज है।

पाकिस्तान के मुकाबले

पाकिस्तान की टीम अपने अभियान की शुरुआत 12 सितंबर से ओमान के खिलाफ मुकाबले से करेगी। इसके बाद उसका सामना दुबई में भारत से होगा। ग्रुप स्टेज में पाकिस्तान की टीम तीसरा मैच यूएई के खिलाफ खेलेगी, जो दुबई में ही 17 सितंबर को खेला जाएगा। सुपर-4 के मुकाबले 20 सितंबर से शुरू होंगे जबकि फाइनल मैच 28 सितंबर को खेला जाएगा।

इन आंकड़ों के आधार पर चुना कप्तान?

पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली आगा के टी20 करियर की बात करें तो उनके आंकड़े बिल्कुल भी कप्तानी के लायक नहीं हैं। 20 मुकाबलों में उन्होंने कुल 380 रन बनाए हैं, यानी मुश्किल से औसत 27.1 का रहा है। टी20 जैसे प्रारूप में जहां बल्लेबाजों से 140-150 के स्ट्राइक रेट की उम्मीद की जाती है, वहां आगा मुश्किल से 115.8 के स्ट्राइक रेट को छू सके हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर भी सिर्फ 56 रन ही है। वहीं, गेंदबाजी की बात करें तो 20 मैचों में उन्होंने सिर्फ चार विकेट झटके हैं और सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 1/7 का है।

अब कप्तानी पर नजर डालें तो आगा ने 18 मैचों में पाकिस्तान की कमान संभाली, जिसमें नौ जीते और इतने ही हारे। यानी न टीम आगे बढ़ पाई, न कोई स्थिरता आई। उनकी कप्तानी में कोई बड़ा बदलाव या आक्रामक रणनीति नजर नहीं आई। इन आंकड़ों से साफ है कि सलमान अली आगा न बल्लेबाजी में धमाल मचा पाए हैं, न गेंदबाजी में और न ही कप्तानी में कोई करिश्मा दिखा पाए हैं। ऐसे में सवाल उठना लाजमी है कि आखिर किन आधारों पर उन्हें टीम का कप्तान बनाया गया?

मोबाईल और मोटर सायकल लुटकर भागने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार

बेमेतरा/मूक पत्रिका

*प्रार्थी गोविंद साहू उम्र 32 साल साकिन झिलगा चौकी मारो थाना नांदघाट जिला बेमेतरा का रिपोर्ट दर्ज कराया कि बीते 11 जून 25 को सुबह 07 बजे अपने मो.सा. क्रमांक सीजी 07 एएन 7932 में बहन के घर ग्राम अकलतरा छत डलाई के लिए गया था, बहन के घर के छत ढालाई होने के बाद दिनांक 12.06.25 को अकलतरा 03 बजे रात में उक्त मो.सा. को चलाते हुए अपने घर ग्राम झिलगा जा रहा था कि करीब 03 बजे ग्राम सेमरिया मुर्रा जाने के रोड पर तीन अज्ञात आदमी मुझे मिले, दो आदमी मुह में कपडा बांधे थे, चेहरा नहीं दिखाई दे रहा था, एक आदमी का चेहरा दिख रहा था जो सामने में अपने मोटर सायकल को खड़े कर दिया था तब वहां पर रूका तो दो व्यक्ति चाकू रखे थे, मुझे चाकू दिखाकर डराये धमकाये और मेरे मोटर सायकल क्रमांक सीजी 07 एएन 7932 किमती 20,000/- रूपये तथा मेरा मोबाईल किमती 4,000/- रूपये जुमला किमती 24,000/रूपये जिसे मेरे हाथ से छिनकर ले गये। इस रिपोर्ट पर थाना नांदघाट में धारा 309(4),3(5) भारतीय न्याय संहिता के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। घटना की जानकारी वरिष्ठ अधिकारियों को दी गई, जिस पर मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रामकृष्ण साहू (भा.पु.से.) के निर्देशानुसार, अति. पुलिस अधीक्षक श्रीमती ज्योति सिंह एवं एसडीओपी बेमेतरा मनोज तिर्की के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी नांदघाट उप निरीक्षक भुनेश्वर यादव के साथ थाना स्टाफ द्वारा विवेचना कार्य प्रारंभ की गई। प्रकरण में विवेचना के दौरान आरोपी वेदप्रकाश वैष्णव उर्फ निलेश निवासी मन्नाडोल जिला बिलासपुर, युवराज साहू उर्फ नानू निवासी लौदा बाना जिला मुंगेली को ग्राम जरौंधा एवं सुरीत विश्वकर्मा निवासी कपुआ जिला मुंगेली के घर से घेराबंदी कर पकडा गया। उक्त तीनों आरोपियों से पुछताछ करने घटना कारित करना स्वीकार किया। आरोपियों से पुछताछ करने पर पता चला कि मोबाइल और मोटर सायकल को लुट कर भागते समय मोबाईल कही पर गिरकर गुम होना। आरोपी के कब्जे स्टील का चाकु जप्त किया गया और लुट हुए मोटर सायकल को जरहागांव थाना में जप्त होना बताये। आरोपीगण 01. वेदप्रकाश वैष्णव उर्फ निलेश पिता कृष्णादास वैष्णव उम्र 23 वर्ष साकिन मन्नाडोल, थाना सिरगिट्टी जिला बिलासपुर, 02. युवराज साहू उर्फ नानू पिता मन्नु साहू उम्र 19 साल साकिन लौदा बाना पथरिया जिला मुंगेली, 03. सुरीत विश्वकर्मा पिता गोपाल विश्वकर्मा उम्र 20 साल साकिन कपुआ थाना पथरिया जिला मुंगेली को बीते गुरुवार को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में न्यायिक रिमांड पर प्रस्तुत किया गया। इस संपूर्ण कार्यवाही में थाना प्रभारी नांदघाट उप निरीक्षक भुनेश्वर यादव, सहायक उप निरीक्षक यागेश्वर देशमुख, आरक्षक बालमुकुंद सिंह, रूपेन्द्र वर्मा, संजय साहू सहित थाना नांदघाट के समस्त पुलिस स्टाफ का महत्वपूर्ण एवं सराहनीय योगदान रहा।

सब्जी बाजार डोम में बैठने के स्थान के लिए महायुद्ध

कांकेर /मूक पत्रिका

काँकेर इन दिनों काँकेर की नगर पालिका अपने प्रमुख कार्य साफ सफाई एवं पेयजल पूर्ति को भूलकर सारी ताकत काँक्रेर के पुराने मार्केट के फुटपाथी सब्जी विक्रेताओं को नए बस स्टैंड के घोर असुविधा जनक डोम में जबरदस्ती भेजने में लगा रही है। इस बेमतलब के कार्य को नगर पालिका महान क्रांतिकारी कार्य बताने पर तुली हुई है, लेकिन स्पष्ट दिखाई देता है कि नगर पालिका की पक्षपाती नीति ग्रामीण सब्जी वालों के सख्त खिलाफहै और कोचिया लोगों के पक्ष में है। यह सब्जी कोचिया हर जगह पुराने यानए बस स्टैंड काँकेर में अपनी मनपसंद जरूरत से ज्यादा जगह बहुत पहले से घेर चुके हैं और ग्रामीणों को वहां बैठने नहीं देते, दादागिरी बता कर भगा देते हैं। मजबूर होकर ग्रामीण सब्जी वालों को डोम के बाहर छाते के सहारे छोटा सा पसरा लगाना पड़ता है या फिर अपना सारा सामान इन्हीं मुनाफाखोरके राज के आगे नतमस्तक दिखाई देती है। इस मामले में पूर्व की कांग्रेस तथा वर्तमान की भाजपाई नगर पालिका दोनों का रवैया शतप्रतिशत मेल खाता है।कोचियों को औने पौने बेचकर निराश होकर गांव लौटना पड़ता है। इसी कारण नागरिकों को भी सब्जी महंगी मिलती है और लोग गांव से आई हुई ताजी सब्जी के लिए तरसते रह जाते हैं। कोचियों के हाथ जो माल लगता है, उसे वे मनमानी रेट पर बिक्री करते हैं और अंधी लूट का पैसा कमाते हैं। नगर पालिका इन कोचियों तानाशाही शासन में सब्जी जब्त कर ग्रामीणों को नुकसान पहुंचाना, सब्जी फेंक देना, फिनाइल डाल देना जैसी घटनाएं देखी गई हैं। जबकि किसी कोचिया का कभी का भी चालान काटा गया हो, ऐसी कोई घटना याद नहीं आती। ये लोग खुलेआम बासी सब्जी पानी छिड़क छिड़क कर तथा हरा कलर की हुई सब्जी बेचते दिखाई देते हैं लेकिन अज्ञात कारणों से इन पर कोई कार्यवाही नहीं की जाती।

कर्मचारी-अधिकारी फेडरेशन और एनएचएम संघ ने संयुक्त रैली निकाली, मुख्यमंत्री व मुख्य सचिव के नाम सौंपा ज्ञापन

बीजापुर/मूक पत्रिका

प्रांताध्यक्ष कमल वर्मा के आह्वान पर छत्तीसगढ़ कर्मचारी-अधिकारी फेडरेशन एवं एनएचएम कर्मचारी संघ ने संयुक्त रैली निकालकर मुख्यमंत्री एवं मुख्य सचिव के नाम ज्ञापन सौंपा। यह रैली सांस्कृतिक मैदान से कलेक्ट्रेट परिसर तक निकाली गई, जहां फेडरेशन के जिलाध्यक्ष मो. जाकिर खान और जिला सचिव कैलाश रामटेके के नेतृत्व में एसडीएम जागेश्वर कौशल को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में बताया गया कि प्रमुख मांगों में केंद्र के समान 2त्न महंगाई भत्ता, वर्ष 2019 से लंबित एरियर्स का भुगतान, पिंगुआ कमेटी रिपोर्ट सार्वजनिक करना, चार स्तरीय पदोन्नति व समयमान वेतनमान लागू करना, वेतन विसंगति दूर करना, कैशलेस चिकित्सा सुविधा, अनुकंपा नियुक्ति में 10त्न सीमा समाप्त करना, अर्जित अवकाश का 300 दिन तक नगदीकरण, पूर्ण पेंशन हेतु नीति निर्माण, सेवानिवृत्ति आयु 65 वर्ष करना एवं अनियमित कर्मचारियों का नियमितिकरण शामिल है।

धरना-प्रदर्शन में जिला मुख्यालय मे सभी विकासखण्डों के अधिकारी-कर्मचारी जुटे,सभी ने साँस्कृतिक मैदान मे प्रर्दशन कर माँगे मानने हेतु नारे लगाये।वहीं फेडरेशन के समस्त पदाधिकारियों ने एनएचएम कर्मचारियों की माँगों का समर्थन किया। धरना-प्रदर्शन में फेडरेशन के कोषाध्यक्ष लोकेश रेड्डी, सह सचिव रेश्मा गोड्डे, वन कर्मचारी संघ के विश्वनाथ मांझी, स्वास्थ्य संयोजक संघ के शेख फारुख, वाहन चालक संघ के महेश देवांगन, शिक्षक संघ के मोहन राय, दुब्बा कामेश्वर, बीएल पुजारी, चतुर्थ वर्ग कर्मचारी संघ के मोतीराम बेलसरिया, महिला बाल विकास से प्रियंका देहारी, पटवारी संघ के केजी यशवंत, वेटनरी संघ के डॉ. कमल गुप्ता, डॉ. राजीव शर्मा, मनोज कुड़मुल सहित विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि शामिल हुए।नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि मांगों पर अमल नहीं हुआ तो आंदोलन को उग्र रूप दिया जाएगा।

166 महतारी सदन की मिली स्वीकृति, 25 सौ वर्गफुट में बनेगा महतारी सदन, 166 महतारी सदन हेतु 49 करोड़ 80 लाख रुपये जारी

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में सहायक होगा महतारी सदन- उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा

- अब तक 368 महतारी सदन की स्वीकृति, 50 से अधिक महतारी सदन पूर्ण
- महतारी सदन में कमरा, बरामदा, हाल, किचन, स्टोररूम, पेयजल हेतु ट्यूबवेल और सामुदायिक शौचालय जैसी होंगी सुविधायें

बेमेतरा- प्रदेश के प्रत्येक ग्राम पंचायतों में ग्रामीण महिलाओं को स्वावलंबी एवं आत्मनिर्भर बनाने तथा आपसी समरसता स्थापित करने सामायिक कार्यक्रमों में सामूहिक भागीदारी तथा महिला सशक्तिकरण के उद्देश्य से उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा के निर्देशानुसार महतारी सदन का निर्माण कार्य किया जाना है। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा के प्रयास से 166 महतारी सदन की स्वीकृति आदेश जारी किया गया है, इसके लिए 49 करोड़ 80 लाख रुपये की स्वीकृति जारी की गई है। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि न्यू इंडिया के ग्रोथ साइकल में महिलाओं की भागीदारी लगातार बढ़ रही है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आत्मनिर्भर भारत अभियान महिलाओं की क्षमता को देश के विकास के साथ जोड़ रहा है। प्रदेश के ग्राम पंचायतों में बनने जा रहा महतारी सदन भी इसी दिशा में एक प्रयास है। उन्होंने कहा कि लगातार ग्राम भ्रमण के दौरान महिलाओं द्वारा बैठने की स्थान न होने की शिकायत की और बैठने हेतु स्थान दिलाने की मांग की जाती रही इसलिए महतारी सदन बनाने का विचार आया। ततपश्चात महिलाओं को रोजगार दिलाने और उनको काम काज के लिए स्थान उपलब्ध कराने के लिए प्रदेश सरकार गांवों में महतारी सदन बनाने जा रही है। अब तक 368 महतारी सदन की स्वीकृति इसी उद्देश्य को पूर्ति के लिये जारी किया गया है। कार्यों में एकरूपता के दृष्टिकोण से पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा कार्य का एक मानक डिजाईन एवं प्राक्कलन तैयार किया गया है। प्रति महतारी सदन की लागत राशि रुपये 30 लाख होगी।

5 वर्षों में सभी ग्राम पंचायतों में महतारी सदन बनाने की योजना-प्रदेश के सभी ग्राम पंचायतों में महतारी सदन बनाया जाएगा। महतारी सदन बनाने की शुरुआत हो गयी है। पहले चरण में प्रदेश के प्रत्येक विकासखंड में महतारी सदन बनना प्रारंभ किया जा रहा है व 5 साल में सभी ग्राम पंचायत में महतारी सदन बनेंगे। प्रदेश में बनने वाले महतारी सदन का निर्माण लगभग 25 सौ वर्गफुट में कराया जाएगा। सदन में कमरा, शौचालय, बरामदा, हाल, किचन और स्टोररूम जैसी सुविधाएं रहेगी। पानी के लिए ट्यूबवेल के साथ वाटर हार्वेस्टिंग भी किया जाएगा। महिलाओं की सुरक्षा के लिए इसमे बॉउंड्रीवाल भी बनाये जाएंगे। महतारी सदन में सामुदायिक शौचालय का भी निर्माण किया जाएगा।

संबलपुर में अधिकारियो की मिली भगत से गुनवत्ताहिन कार्य

कांकेर/मूक पत्रिका

उत्तर बस्तर कांकेर जिले के ब्लॉक भानुप्रतापपुर नगर में भानुप्रतापपुर संबलपुर मार्ग पर विगत कुछ वर्षों पूर्व ठेकेदार, अधिकारियों की मिलीभगत से गुणवत्ताहीन निर्माण हुए ओवर ब्रिज का बनने के साथ ही जर्जर होने लगा है। जिसके कारण उस ओवर ब्रिज पर प्रतिदिन दुर्घटनाएं हो रही है। इस ओवर ब्रिज में कई लोग दुर्घटनाग्रस्त हो चुके हैं। यह ओवर ब्रिज इतना घटिया स्तर का बना है कि बनने के साथ ही कई जगह उखड़ चुका है। कई जगह लोहा दिख रहा है। कई जगह पानी जमा हो गया है। कई जगह सीमेंट, डामर उखड़ गया है। जिसके कारण प्रतिदिन दुर्घटना हो रही है और आम जनता काल कलवित हो रही है। शिवसेना द्वारा दिनांक 21, 8., 2025 को अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) भानुप्रतापपुर को ज्ञापन सौंप कर तत्काल इस ओवर ब्रिज की मरम्मत करवाने एवं भ्रष्ट अधिकारियों, ठेकेदारों पर उचित कार्रवाई करने की मांग किया गया है। अगर तत्काल ओवर ब्रिज का मरम्मत नहीं होता है। और उस ओवर ब्रिज पर चलने वाले आम जनता का सहूलियत नहीं होता है। तो शिवसेना द्वारा रविवार 24 अगस्त को ओवरब्रिज निर्माण करता विभाग लोक निर्माण विभाग (सेतु संभाग) का ओवर ब्रिज के ऊपर पुतला दहन किया जाएगा।

आगामी नेशनल लोक अदालत के तैयारी के संबंध में बैठक कर की गई चर्चा

बेमेतरा/मूक पत्रिका

13 सितम्बर 2025 नेशनल लोक अदालत के सफलतापूर्वक आयोजन हेतु वृजेन्द्र कुमार शास्त्री, प्रधान जिला न्यायाधीश / अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बेमेतरा की अध्यक्षता में समस्त न्यायाधीशगण के साथ बैठक का आयोजन किया गया। उक्त बैठक में प्रधान न्यायाधीश द्वारा उपस्थित न्यायाधीशगण को अधिक से अधिक राजीनामा योग्य प्रकरणों में पक्षकारों के मध्य प्री-सिटिंग करा कर आपसी सुलह समझौते से प्रकरणों को निराकरण करने हेतु प्रोत्साहित किया एवं पूर्व में चिन्हांकित प्रकरणों के अतिरिक्त अन्य और राजीनामा प्रकरणों में अधिक से अधिक पक्षकारों के साथ प्री-सिटिंग करने हेतु चर्चा की गई। राजीनामा योग्य प्रकरणों में विशेष कर धारा 138 पराक्रम्य लिखित अधिनियम, घरेलू हिंसा अधिनियम प्रकरण एवं दांडिक प्रकरणों में पीड़ित पक्षकार के साथ प्री-सिटिंग कर प्रकरण को आपसी सुलह समझौते से शांतिपूर्ण निपटारे हेतु प्रेरित किया। नेशनल लोक अदालत में राजीनामा के आधार पर निराकरण के लिए राजीनामा योग्य अपराधिक प्रकरणों, मोटर दुर्घटना दावा प्रकरणों, बैंक रिकव्हरी प्रकरण, सिविल प्रकरणों, पारिवारिक प्रकरणों का निराकरण किया जाना हैं। पूर्व के नेशनल लोक अदालत की भांति इस बार भी अधिक से अधिक प्रकरणों का निराकरण किया जाना है। उक्त बैठक में उपस्थित समस्त न्यायाधीशगण के साथ चर्चा की गई।

सभी अधिकारी एवं कर्मचारियों के द्वारा पदोन्नति प्राप्त निरीक्षक को शुभकामनायें दी

एसएसपी रामकृष्ण साहू उप निरीक्षक मयंक मिश्रा को स्टार लगाकर निरीक्षक के पद पर किया पदोन्नत

बेमेतरा/मूक पत्रिका

पुलिस मुख्यालय के आदेशानुसार, कार्यालय पुलिस अधीक्षक बेमेतरा में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बेमेतरा रामकृष्ण साहू (भा.पु.से.) के द्वारा बेमेतरा जिले में पदस्थ उप निरीक्षक मयंक मिश्रा को विभागीय पदोन्नति प्रक्रिया के तहत पदोन्नति प्राप्त होने पर स्टार लगाकर निरीक्षक के पद पदोन्नत किया गया तथा पदोन्नत हुए निरीक्षक को शुभकामनाए देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गई। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बेमेतरा रामकृष्ण साहू (भा.पु.से.) के द्वारा पदोन्नत हुए निरीक्षक मयंक मिश्रा के पद पर पदोन्नति के साथ -साथ उत्तरदायित्व में बढोत्तरी हुई है, इसी उत्तरदायित्व के अनुरूप अपने दक्षता एवं निष्ठा का पूर्ण ईमानदारी से उपयोग करते हुए महत्वपूर्ण भूमिका निभायें। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती ज्योति सिंह, डीएसपी राजेश कुमार झा, एसडीओपी बेमेतरा मनोज तिर्की, एसडीओपी बेरला विनय कुमार, श्रीमती कौशिल्या साहू, रक्षित निरीक्षक प्रवीण खलखो, निरीक्षक सत्य प्रकाश तिवारी एवं जिले के सभी अधिकारी एवं कर्मचारियों के द्वारा भी पदोन्नति प्राप्त निरीक्षक को शुभकामनायें देते हुए आने वाली परिस्थितियों में सामन्जस्य बनाकर कार्य करने हेतु कहा गया। इस अवसर पर मुख्य लिपिक उनि (अ) हरिओम विश्वकर्मा, उनि (अ) प्रदीप देशमुख, स्टेनो सउनि (अ) अजय कुमार देवांगन, संतोष सोनवानी, महेन्द्र भुआर्य, प्रवीण लोहले, दीपक गर्जेलवाल, एसएसपी रीडर सउनि विष्णु सप्रे, महिला प्रधान आरक्षक वर्षा चौबे एवं पदोन्नत हुए निरीक्षक मयंक मिश्रा के परिवार के सदस्य सहित बेमेतरा पुलिस के अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा स्वामी डीबी कार्प लिमिटेड के लिए प्लाट नम्बर 40/44 इंडस्ट्रियल एरिया बीरगांव रोड, उरला, रायपुर से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित । संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।